श्री गणेशाय नमः

श्री राम पंचांग

व्रत एवं त्यौहार

।। रौद्र नामाब्द सम्वत्सर ।।

विक्रम सम्वत् २०८३ (सन् २०२६ - २७)

प्रकाशक

शशि स्मृति फॉउण्डेशन

{ गोल्डन मैजेस्टिक ग्रुप का एक उपक्रम }

सेक्शन 8 लाइसेंस नं 137497; रजि. U/S 80G of IT Act

801 एडवेंट एट्रिया, चिंचोली बन्दर रोड, मलाड पश्चिम, मुंबई - 400 064, भारत

मो.: +91 74002 03106 | ई-मेल : editorial@shashismriti.org

GM HOSPITALITY
2gooD™ PLUS
Packaged Drinking Water
Minerals Added

पानी जो रखे आपको फ़्रेश

शुद्धता गारंटीड: RO+UV+ओजोनेशन से 100% बैक्टीरिया-मुक्त, सुरक्षित हाइड्रेशन।

दैनिक ऊर्जा बूस्ट: थकान भगाए, फोकस बढ़ाए – दिनभर तरोताज़ा रखे।

स्वास्थ्य लाभ: पाचन सुधारे, त्वचा चमकाए, वजन नियंत्रित करे।

सुविधाजनक उपलब्ध: हर साइज़ में – त्योहारों से रोज़मर्रा तक।

भरोसेमंद साथी: FSSAI-BIS अनुमोदित, परिवार के लिए पहली पसंद।

हर घूँट में विश्वास

2gooD™ PLUS पानी पर भरोसा करें और अपनी रोज़ाना दिनचर्या में अपनायें

2good.co.in | 2goodmineralwater | +91 99673 99880 | corporate@gmhospitality.in

Available across : Kanpur | Kanpur Dehat | Unnao | Raibareli | Lucknow | Unchahar

।। श्री गणेशाय नमः ।।

मङ्गलम् भगवान विष्णुः मङ्गलम् गरुणध्वजः।
मङ्गलम् पुण्डरी काक्षः मङ्गलाय तनो हरिः।।

प्रिय पाठकगण,

श्री परम श्रद्धेय श्री श्री १००८ लाल साहब जी महाराज एवं प्रभु श्री रामजी की असीम अनुकम्पा से व्रत एवं त्योहार पंचांग का पुष्प आप लोगों के हाथों में सौंपते हुए हमें अति हर्ष का अनुभव हो रहा है।

तिथि, वार, नक्षत्र, चन्द्रमा एवं मुहूर्त ये पाँच अंगों को मिलाकर पंचांग बनता है। हमारे हिन्दू धर्म संस्कृति में पंचांग का महत्व है। इस पुस्तिका में सरल भाषा में तिथि-वार नक्षत्र व्रत त्योहार विवरण भद्रा चन्द्रमा आदि का समावेश है जिससे धर्मस्नेही हमेशा लाभान्वित होते आ रहे हैं।

इस तिथि दर्शिका को ऋषिकेश पंचांग का गणित आधार मानकर समाहित किया गया है। किन्तु पक्षारम्भ का सूर्योदय, प्रमुख चन्द्रोदय, चन्द्रास्त, प्रमुख लग्न मुंबई के आधार पर है। तिथि दर्शिका के माध्यम से समय-समय पर धर्म शास्त्र एवं ज्योतिष, वास्तु आदि की रोचक एवं सटीक बातों की जानकारी आप तक पहुंचाना भी हमारा उद्देश्य है। किसी प्रकार की टंकन कार्य या मति भ्रम से त्रुटि सम्भव हो तो आपसे सहयोग की आकांक्षा भी रहेगी। अन्त में पुनः अवगत कराऊँगा कि गाय हमारी माता है एवं वेदज्ञ ब्राह्मण हमारे गुरु, इन दोनों की अनुकम्पा हमें सदैव उन्नति एवं मनोवांछित फल प्रदान करती है। सदैव इनकी सेवा करते रहें।

।। धर्म की जय हो ।। ।। अधर्म का नाश हो ।।
।। विश्व का कल्याण हो ।। ।। गौ हत्या बन्द हो ।।
।। प्राणियों में सद्भावना हो ।। ।। गौमाता की जय हो ।।

।। सत्य सनातन धर्म की जय हो ।।

निवेदन

शशि स्मृति फॉउण्डेशन (गोल्डेन मैजेस्टिक ग्रुप का एक उपक्रम) अपने बहु आयामी संकल्पों के साथ समाज में सहयोग और सेवा के भाव को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है ।

''संकल्पदृढ़ है, रास्ता चुनौती पूर्ण है, परन्तु असंभव नहीं।'' इन्हीं विचारों के आधार पर संस्था ने सेवा के क्षेत्र में कदम रखा है। अपनी सशक्त एवं दृढ़ योजनाओं के अन्तर्गत शशि स्मृति फॉउण्डेशन ने विगत वर्षों में अपने संकल्पित कार्यों के क्रियान्वयन हेतु विभिन्न क्षेत्रों में सेवा कार्य संपन्न किया है, जिसमें निःसहाय बच्चों के लिए साप्ताहिक भोजन की व्यवस्था, विद्यार्थियों के लिये एजुकेशन किट, गाँव के विद्यालय में बच्चों के लिए वाटरकूलर लगाना, गौ सेवा इत्यादि शामिल हैं । बेहतर समाज के निर्माण में शिक्षा के महत्व को समझते हुए संस्था एक ऑनलाइन तिमाही पत्रिका ''जनमैत्री'' [https://janmaitri.com/] का प्रकाशन भी करती है।

विभिन्न क्षेत्रों में जरुरतों का सटीक मूल्यांकन कर कार्य को संपन्न करने के लिए, हमें एक सांगठनिक सहयोग की आवश्यकता है। संस्था आपके सहयोग से निश्चित रुप से अपने संकल्पित कार्यों को पूरा करने में सक्षम होगी, ऐसा विश्वास है। किसी भी प्रकार की अन्य जानकारी या सहयोग की भावना से आप हमें निःसंकोच संपर्क कर सकते हैं ।

मोबईल : +91 74002 03106 ई-मेल : editorial@shashismriti.org

SHASHI SMRITI FOUNDATION

HDFC Bank Account Numbner : 50200069508060
IFSC : HDFC0000546
Branch : Shimpoli, Boriwali (w), Mumbai

*** शशि स्मृति फॉउण्डेशन को दिया गया दान आयकर अधिनियम की धारा 80G के अधीन कर से मुक्त है ***

।। आरती श्री गणेश जी की ।।

जय गणेश जय गणेश जय गणेश देवा।
माता जाकी पार्वती पिता महादेवा।।
एकदन्त दयावन्त चार भुजा धारी।
मस्तक सिन्दूर सोहे मूसे की सवारी।
अन्धन को आंख देत कोढ़िन को काया।।
बांझन को पुत्र देते निर्धन को माया।
हार चढ़ें फल चढ़ें और चढ़ें मेवा।
लड्डुवन का भोग लागे सन्त करे सेवा।।
दीनन की लाज राखो शम्भु-सुत वारी।
कामना को पूरा करो जग बलिहारी।।

।। आरती हनुमानजी की ।।

आरती कीजै हनुमान लला की, दुष्ट दलन रघुनाथ कला की ।। टेक ।।
जांके बल से गिरिवर कांपे, रोग दोष जांके निकट न झांके ।।
अंजनी पुत्र महा बलदाई, संतन के प्रभु सदा सहाई ।।
दे बीरा रघुनाथ पठाये, लंका जारि सिया सुधि लाये ।।
लंका-सी कोट समुद्र-सी खाई, जात पवनसुत बार न लाई ।।
लंका जारि असुर संहारे, सियारामजी के काज संवारे ।।
लक्ष्मण मूर्छित पड़े धरणी पर, आनि संजीवन प्राण उबारे ।।
पैठि पाताल तोरि यम कातर, अहिरावण की भुजा उखारे ।।
बायें भुजा सब असुर संहारे, दाहिने भुजा सब सन्त उबारे ।।
सुरनर मुनिजन आरती उतारे, जय-जय-जय हनुमानजी उचारे ।।
कंचन थार कपूर की बाती, आरती करत अंजनी माई ।।
जो हनुमानजी की आरती गावे, बसि बैकुण्ठ अमर पद पावे ।।
लंक विध्वंस किये रघुराई, तुलसीदास स्वामी कीरति गाई ।।

पवन तनय संकट हरण मंगल मुरति रूप।
राम लखन सीता सहित हृदय बसहु सुर भुप।।
सियावर रामचन्द्र की जय, पवनसुत हनुमान की जय।।

।। आरती श्री जगदीशजी की ।।

ॐ जय जगदीश हरे, स्वामी जय जगदीश हरे ।
भक्त जनों के संकट, क्षण में दूर करे।। ॐ जय जगदीश।।

जो ध्यावे फल पावे, दुःख विनसे मन का ।
सुख संपत्ति घर आवे, कष्ट मिटे तन का।। ॐ जय जगदीश।।

मात पिता तुम मेरे, शरण गहूँ किसकी ।
तुम बिन और न दूजा, आश करूँ जिसकी।। ॐ जय जगदीश।।

तुम पूरण परमात्मा, तुम अन्तरयामी ।
पारब्रह्म परमेश्वर, तुम सब के स्वामी।। ॐ जय जगदीश।।

तुम करुणा के सागर, तुम पालन करता ।
मैं मूरख खल कामी, कृपा करो भर्ता।। ॐ जय जगदीश।।

तुम हो एक अगोचर, सबके प्राणपति ।
किस विधि मिलूं दयामय, तुमको मैं कुमती।। ॐ जय जगदीश।।

दीनबन्धु, दुःख हरता, तुम ठाकुर मेरे ।
अपने हाथ उठाओ, द्वार पड़ा तेरे।। ॐ जय जगदीश।।

विषय विकार मिटाओ, पाप हरो देवा ।
श्रद्धा भक्ति बढ़ाओ, सन्तन की सेवा।। ॐ जय जगदीश।।

तन, मन, धन सब तेरा, सब कुछ है तेरा ।
तेरा तुझको अर्पण, क्या लागे मेरा।। ॐ जय जगदीश।।

पार ब्रह्मजी की आरती, जो कोई नर गावे ।
कहत शिवानन्द स्वामी, मनवांछित फल पावे।। ॐ जय जगदीश।।

।। आरती श्री लक्ष्मीजी की ।।

ॐ जय लक्ष्मी माता, मैया जय लक्ष्मी माता।
तुमको निशिदिन सेवत, हर विष्णु ध्याता।।जय।।
ब्रह्माणी, उमा, रमा, कमला तू ही है जगमाता।
सूर्य चन्द्रमा ध्यावत, नारद ऋषि गाता।।जय।।
दुर्गा रूप निरंजनि, सुख सम्पत्ति दाता।
जो कोई तुमको ध्यावत, ऋद्धि-सिद्धि धन पाता।।जय।।
तू ही पाताल निवासिनी, तू ही है शुभदाता।
कर्म प्रभाव प्रकाशिनी, भवनिधि की त्राता।।जय।।
जिस घर तुम रहती, तहँ सब सद्गुण आता।
सब सम्भव हो जाता, मन नहीं घबराता।।जय।।
तुम बिन यज्ञ न होवे, वस्त्र न होय राता।
खान पान का वैभव, सब तुमसे आता।।जय।।
शुभ गुण मन्दिर सुन्दर, क्षीर दधि जाता।
रत्न चतुर्दश तोकूँ, कोई भी नहीं पाता।।जय।।
महालक्ष्मीजी की आरती, जो कोई नर गाता।
उर आनन्द समाता, पाप उतर जाता।।जय।।
स्थिर चर जगत बचावै, कर्म प्रेर ल्याता।
राम प्रताप मैयाजी की, शुभ दृष्टि चाहता।।जय।।

।। आरती श्री दुर्गाजी की ।।

अम्बे गौरी, मैया जय मंगल मूर्ति, मैया जय श्यामा गौरी ।
तुमको निशिदिन ध्यावत, हरि ब्रह्मा शिवजी ।। टेर।।

माँग सिन्दूर विराजत, टीको मृगमद को।
उज्जवल से दोउ नैना, चन्द्र बदन नीको ।। टेर।।

कनक समान कलेवर, रक्ताम्बर राजै।
रक्त पुष्प गल माला, कण्ठन पर साजै ।। टेर।।

केहरि वाहन राजत, खड्ग खप्पर धारी।
सुर-नर मुनि-जन सेवत, तिनके दुःखहारी ।। टेर।।

कानन कुण्डल शोभित, नासाग्रे मोती।
कोटिक चन्द्र दिवाकर, सम राजत ज्योति ।। टेर।।

शुम्भ निशुम्भ विदारे, महिषासुर घाती।
धूम्र विलोचन नैना, निशिदिन मदमाती ।। टेर।।

चण्ड मुण्ड संहारे, शोणित बीज हरे।
मध-कैटभ दोऊ मारे, सुर भयहीन करे ।। टेर।।

ब्रह्माणी, रुद्राणी, तुम कमला रानी।
आगमन निगम बखानी, तुम शिव पटरानी ।। टेर।।

चौंसठ योगिनि गावत, नृत्य करत भैरूँ।
बाजत ताल मृदंगा, और बाजत डमरू ।। टेर।।

तुम ही जग की माता, तुम ही हो भरता।
भक्तन की दुख हरता, सुख सम्पत्ति करता ।। टेर।।

भुजा अष्ट अति शोभित, वर-मुद्रा धारी।
मनवांछित फल पावत, सेवत नर नारी ।। टेर।।

कंचन थाल विराजत, अगर कपूर बाती।
श्री मालकेतु में राजत, कोटि रतन ज्योति ।। टेर।।

श्री अम्बेजी की आरती, जो कोई नर गावे।
कहत शिवानन्द स्वामी, सुख सम्पत्ति पावे ।। टेर।।

।। आरती श्री शंकरजी की ।।

शीश गंग अर्द्धंग पार्वती, सदा विराजत कैलाशी।
नन्दी भृंगी नृत्य करत हैं, गुण भक्तन शिव के दासी।।१।।
शीतल मंद सुगन्ध पवन बहे, जहँ बैठे शिव अविनाशी।
करत गान गंधर्व सप्तस्वर, राग रागिनी अतिगासी।।२।।
यक्ष रक्ष भैरव जहँ डोलत, बोलत हैं वन के वासी।
कोयल शब्द सुनावत सुन्दर, भ्रमर करत हैं गुंजासी।।३।।
कल्पद्रुम अरु पारिजात तरु, लाग रहे हैं लक्षासी।
कामधेनु कोटिक जहँ डोलत, करत फिरत हैं भिक्षासी।।४।।
सूर्यकान्त सम पर्वत शोभित, चन्द्रकान्त भवमीवासी।
छहों तो ऋतु नित फलत रहत हैं, पुष्प चढ़त हैं वर्षासी।।५।।
देवमुनिजन की भीड़ पड़त है, निगम रहत जो नित गासी।
ब्रह्मा विष्णु जाको ध्यान धरत हैं, कछु शिव हमको फरमासी।।६।।
ऋद्धि-सिद्धि के दाता शंकर, सदा आनन्दित सुखरासी।
जिनको सुमिरन सेवा करता, टूट जाय यम की फांसी।।७।।
त्रिशूलधरजी को ध्यान निरंतर, मना लगाय कर जो गासी।
दूर करो विपदा शिव तनु की, जन्म-२ शिव पद पासी।।८।।
कैलाशी काशी के वासी, अविनासी मेरी सुध लीज्यो।
सेवक जान सदा चरणन को, अपनो जान दरश दीज्यो।।९।।
आप तो प्रभुजी सदा सयाने बाबा अवगुण मेरो सब ढकियो।
सब अपराध क्षमा कर शंकर, किंकर की विनती सुनियो।।१०।।
अभय दान दीजे प्रभु मुझको, सकल सृष्टि के हितकारी।
भोलेनाथ बाबा भक्त निरंजन, भवभंजन भव दुःखहारी।।११।।
काल हरो हर, कष्ट हरो हर, दुःख हरो, दारिद्र हरो।
नमामि शंकर भवामी भोले बाबा, हर हर शंकर आप शरणम्।।१२।।

श्रीराम चालीसा

जयति राम निरगुन सगुन, निराकार साकार।
चिदानन्द आनन्द घन, अच्युत विस्वाधार ।।
उद्भव थिति अरु लय प्रलय, तुम्हीं अनादि अनंत ।
सर्वरूप सर्वात्मा, राम रूप भगवंत ।।
बरनउ सुजस अपार, विस्व रूप तिहु लोक पति।
हरहु त्रिताप बिकार, देहु चरन-रति बिमल मति ।।
जय सीतापति राम कृपाला, गो, द्विज, देव लोक प्रतिपाला।
मायातीत चराचर स्वामी, राम निरञ्जन ब्रह्म नमामी।
स्याम रूप राजीव बिलोचन, जयति अनन्त रूप अघ मोचन।
सत-सत कोटि चरित विस्तारा, जपत मिटै अघ-पुंज अपारा।
केसर तिलक भाल वर सोहै, रूप-सरोज भँवर-मन मोहे।
कर कोदंड बिसाल बिराजै, सीस मुकुट मनि सुन्दर साजै।
कोटि दिनेस तेज मुख छाजै, कोटि अनंग रूप लखि लाजै।
कोटि बिस्नु बिधि हर सम भर्ता, पालक सर्जक अरु संघर्ता।
कोटि काल सम राम कराला, कोटि जनक सम राम दयाला।
कोटि बज्र सम कठिन अपारा, नाथ कठोर स्वभाव तुम्हारा।
कोटि सुमन सम मंजुलताई, कारन रहित कृपाल सदाई।
राम भगत जन आरति हर्ता, सकल लोक के पालन कर्ता।
अति कोमल कृपाल सुखकारी, लोक लागि प्रभु नर तनु धारी।
जय जय जय दिनेश कुल मंडन, जै खरारि सिव चाप विखंडन।
पद रज सिला अहिल्या तारी, केवट चरन सरोज पखारी।
गनिका गीध परम गति दीन्हीं, लीला ललित लोक हित कीन्हीं।
सखा लागि प्रभु बालि संहार्‌यो, सुग्रीवहिं के काज संभार्‌यो।
बाँह विभीषन की गहि लीन्हीं, सम्पति अचल सकुचि तेहि दीन्हीं।
खग पसु कोटि नराधम तारे, धन्य धन्य पद पदुम तुम्हारे।

धर्म हेतु धार्‌यो नर रूपा, हत्यो कोटि खल जे अघ रूपा।
कौतुक ही प्रभु बारिधि बांध्यो, रावनादि खल केतिक साध्यो।
वेद चारि दस आठ पुराना, देव कोटि तैंतिस मुनि नाना।
सेष महेस गनेस दिनेसा, बरुन काल कबि यती सुरेसा।
नारद सारद निसि दिन गावहिं, महिमा अमित पार नहिं पावहिं।
जय जय जग आनन्द निकेतन, आदि अन्त जय सत चित चेतन।
जयति देव बुध मुनि मन रञ्जन, रावनारि खल दल बल गञ्जन।
जासु चरन रज नाव सहारा, पावत होय लोक भव पारा।
देहु चरन रति परम सुहावनि, कलिमल हरनि सम्भु मन भावनि।
दनुज दलन अघ-गंजन रामा, देहु भगति पावन निस्कामा।
तुम प्रभु मातु पिता गुरु स्वामी, बन्धु सखा धन अन्तर्यामी।
अगुन अकथ अव्यक्त अरूपम्, अलख अनन्त अनादि अनूपम्।
जासु नाम नासै भव तापा, कृपा कटाक्ष मिटै संतापा।
देहु नाथ पद भगति अनूपम्, हृदय ज्योति दीजै सुरभूपम्।
लाज काज प्रभु तुम्हरे हाथा, भगत भीर-भंजन रघुनाथा।
नाथ न मांगहुँ ज्ञान विरागा, देहु चरन अम्बुज- अनुरागा।
नवधा भगति देहु प्रभु पावनि, त्रिबिधि ताप संताप नसावनि।
मिटै मोह भव रोग अपारा, केवल नाथ भरोस तुम्हारा।
धर्म कर्म अनुरक्ति दृढ़ाई, देहु अचल मति असि रघुराई।
सादर भगति सुमन उर केरे, अर्पित भाव पराग घनेरे।
महा मन्द मैं मूरख कामी, त्राहि त्राहि प्रभु राम नमामी।
नील कमल तन स्याम वर, कोमल अंग मरंद।
सहित जानकी लखन प्रभु, हृदय बसहु सुख कंद।।
सान्त रूप पट पीत उर, सीस मुकुट धनु हाथ।
'अरुण' नयन प्रतिपल बसहु, सीय सहित रघुनाथ।।

रचयिता : डॉ. अरुण प्रकाश अवस्थी

।। रामाष्टक।।

पाप कलाप बढ़ो जग में, सुर संत मुनीसन त्राहि पुकारो।
काँपि उठी अकुलाय धरा, भट रावन सो अब कौन उबारो।
देखि अपार महा भव-भार, तबै नर रूप महा प्रभु धारो।
को नहिं जानत है जग में, जन रंजन राम सुनाम तिहारो।।१।।
बाल चरित्त कियो बहु भाँति, तबै मुनि कौसिक आय पुकारो।
मारि सुबाहु सुकेतु सुता तब, आपु भयो मख को रखवारो।
गौतम तीय बनी जड़ पाहन, पायन की रज दै प्रभु तारो।
को नहिं जानत है जग में, जन रंजन राम सुनाम तिहारो ।।२।।
संकर चापु न टारि सके, जब रावन बान महाभट हारो।
बीर बिहीन भई बसुधा, सिय-तात तबै भरि रोष पुकारो।
तोरि पिनाक तबै तुम राम, नरेसन के मद को दरि डारो।
को नहिं जानत है जग में, जन रंजन राम सुनाम तिहारो।।३।।
काल कराल कुठार लिए, भृगुनायक यों जबहीं ललकारो।
संकित सीय समेत नृपाल, बड़ी बिपदा अब जाति न टारो।
ताहि समै रघुनाथबली, धनु-सायक लै मुनि को भ्रम टारो।
को नहिं जानत है जग में, जन रंजन राम सुनाम तिहारो।।४।।
देव सुसंतन के हित को, बन सीय सुबन्धु समेत सिधारो।
नीच जयन्त अनंत असंतन को, भगवंत महामद झारो।
दुष्ट हन्यो खरदूषन आदिक, देव मुनीसन को दुख टारो।
को नहिं जानत है जग में, जन रंजन राम सुनाम तिहारो।।५।।
रावन सो करि युद्ध जबै, परहीन पर्‌यो महि गीध बिचारो।
राम कृपा धरि रूप अनूप, जटायु तबै हरि लोक सिधारो।
दै सबरी परितोष तबै, हनि बालि कपीसहिं जाय उबारो।
को नहिं जानत है जग में, जन रंजन राम सुनाम तिहारो ।।६।।
बारिधि को करि चूर घमंड, विभीषन को गहि बाँह उबारो।
बाँधि समुद्र दसानन औ, घटकर्न समेत निसाचर मारो।
सेष, सुरेश, दिनेस, मुनीश, धरा द्विज बूंदन को दुख टारो।

को नहिं जानत है जग में, जन रंजन राम सुनाम तिहारो।।७।।
है मरजाद अखण्ड अपार, महा भव सो अब नाथ उबारो।
सारद नारद बेद सबै, कहि हारि थके नहिं पावत पारो।
आरतवंत पुकारत हौं, न बिलम्ब करौ, मम काज सँवारो।
को नहिं जानत है जग में, जन रंजन राम सुनाम तिहारो।।८।।

रचयिता : डॉ. अरुण प्रकाश अवस्थी

।। श्रीरामजी की आरती।।

ओम् जै सियराम हरे।
अगुन सगुन तुम सुन्दर, पावन गुन रासी ।
सीतापति करुनाकर, संतन सुखरासी ।।
तुम बिराट जगदीस्वर, घट घट के बासी ।
रच्यो सकल सचराचर, जै जै अबिनासी ।।
सीस मुकुट मनि राजै, जय सारंगधारी।
काम कोटि छबि लाजै, भक्तन मनहारी ।।
मायातीत सुरेसं, उर द्विज पद सोभा ।
यह सोभा अवधेसं, देखन मन लोभा ।।
आदि अखण्ड अनादी, धारयो तन भूपा।
जे परमारथवादी, ध्यावहिं यह रूपा ।।
नारद सारद गावहिं, सबकी मति हारी।
बेद भेद नहिं पावहिं, तुम्हरो असुरारी ।।
जानूं जग्य न पूजा, तुमको ही ध्याऊँ।
को तुम सम है दूजा, फल वांछित पाऊँ ।।
अब भरि नैन निहारो, शरण पड़ा स्वामी।
प्रभु गहि बाँह उबारो, तुम अन्तरजामी ।।
जो यह आरति गावै, बिनसै भव सूला ।
सहज परम पद पावै, को प्रभु समतूला ।।

रचयिता : अरुण प्रकाश अवस्थी

।। श्रीरामजी की आरती।।

आरति श्री रघुबीर राम की,
प्रनतपाल नैनाभिराम की।
महिमा निगमागम कबि गावत,
नारद सारद निस दिन ध्यावत।
बिधि हरि सम्भु पार नहिं पावत,
असुर निकंदन मुक्ति धाम की ।आरति ।
सीस मुकुट मकराकृत कुण्डल,
अमल धवल बनमाल समुज्ज्वल।
आनन छवि छाजति नव पलपल,
लाजति सोभा जलद स्याम की। आरति ।
गज गनिका प्रह्लाद उबारे,
ब्याध अजामिल अधम उधारे ।
जै जै जै भक्तन रखवारे,
जै मायापति सिय ललाम की । आरति ।
तुम पूरन तुम घट-घट बासी,
अगुन अनन्त आदि अविनासी ।
षट् विकार हर ग्यान प्रकासी,
नहिं इच्छा धन धरम काम की । आरति ।
सूरदास के मदन स्याम की,
मीरा के मोहन ललाम की।
तुलसिदास के सिया राम की,
आरति श्री रघुवीर राम की। आरति ।

रचयिता : अरुण प्रकाश अवस्थी

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

॥ रौद्र नामाब्द संवत्सर ॥

रौद्राब्दे नृपसंभूत-संक्षोभक्लेश-भागिनः । सततं त्वखिला लोका भूप मध्यसस्यार्थवृष्टयः ॥

अर्थ : रौद्र नाम के सम्वत्सर में प्रजा को राजा की तरफ से क्षोभ तथा क्लेश ज्यादा मिलता है। अन्न मध्यम उत्पन्न होता है और मध्यम ही वृष्टि भी होती है ।

॥ विक्रम सम्वत् २०८३ शाके १९४८ ॥

ईसवी सन् २०२६-२७, फसली १४३३-३४

बंग सन् १४३२-३३ हिजरी १४४७-४८

राजा – गुरु	मंत्री – मंगल	रस्येश – शुक्र
दुर्गेश – चन्द्र	धनेश – गुरु	रसेश – रवि
धान्येश – बुध	नीरसेश – गुरु	फलेश – चन्द्र
	मेघेश – चन्द्र	

॥ कलयुग गत् ५१२७ ॥

श्री संवत् २०८३ वर्ष समय शुद्धि (तारा)

गुरु अस्त – आषाढ़ शुक्ल पक्ष (प्रतिपदा) बुधवार दिनांक १५/७/२६ पश्चिम में

गुरु उदय – श्रावण कृष्ण पक्ष (द्वादशी) सोमवार दिनांक १०/८/२६ पूर्व में

शुक्र अस्त – आश्विन शुक्ल पक्ष (चतुर्थी) बुधवार दिनांक १४/१०/२६ को पश्चिम में

शुक्र उदय – कार्तिक कृष्ण पक्ष (द्वितीया) बुधवार दिनांक २८/१०/२६ को उदय पूर्व में

॥ श्री संवत् २०८३ (सन् २०२६-२७) के ग्रहणों का विवरण ॥

संवत् २०८३ शाके १९४८ (सन् २०२६-२७ ई.) में विश्व में कुल तीन ग्रहण लग रहे है। जिसमें २ सूर्य ग्रहण तथा १ चन्द्र ग्रहण है। किन्तु भारत में कोई भी ग्रहण दिखाई नहीं देगा। ग्रहण विवरण नीचे दिया जा रहा है।

खग्रास सूर्य ग्रहण – श्रावण कृष्ण पक्ष अमावस्या बुधवार १२ अगस्त २०२६ को लगने वाला सूर्य ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा।

खण्ड चन्द्र ग्रहण – श्रावण शुक्ल पक्ष पूर्णिमा शुक्रवार २८ अगस्त २०२६ को लगने वाला चन्द्र ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा।

कंकणाकृत सूर्य ग्रहण – माघ कृष्ण पक्ष अमावस्या शनिवार ६ फरवरी २०२७ को लगने वाला सूर्य ग्रहण भारत वर्ष में दिखाई नहीं देगा।

ग्रहण जिस स्थान पर दिखाई देगा उसी स्थान पर उसकी मान्यता होती है अन्यत्र नहीं।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

॥ शुभ दीपावली लग्न संवत् २०८३ ॥

(दिनांक 8 नवम्बर 2026 रविवार कृष्ण पक्ष चतुर्दशी-अमावस्या)

लग्न	समय	लग्न	समय
तुला	प्रातः ४/५८ से ७/१३ तक	मेष	सायं ४/२२ से ५/५९ तक
वृश्चिक	प्रातः ७/१३ से ९/३० तक	वृष	सायं ५/५९ से ७/५५ तक
धनु	सुबह ९/३० से ११/३६ तक	मिथुन	रात्रि ७/५५ से १०/९ तक
मकर	दिन ११/३६ से १/२३ तक	कर्क	रात्रि १०/९ से १२/२७ तक
कुम्भ	दिन १/२३ से २/५४ तक	सिंह	रात्रि १२/२७ से २/४१ तक
मीन	दिन २/५४ से ४/२२ तक	कन्या	रात्रि २/४१ से ४/५४ तक

नोट : दीपावली पूजन का मुहूर्त भारतीय मानक समय (IST) में दिया गया है। कोलकाता का समय २३ मिनट घटाकर निकाल लेवे।

॥ शुभ धनतेरस धनवन्तरि जयन्ती लग्न संवत् २०८३ ॥

(दिनांक 6 नवम्बर 2026 शुक्रवार कृष्ण पक्ष द्वादशी-त्रयोदशी)

लग्न	समय	लग्न	समय
तुला (चर)	प्रातः ५/६ से ७/२१ तक	मेष (चर)	सायं ४/३० से ६/७ तक
वृश्चिक (स्थिर)	प्रातः ७/२१ से ९/३८ तक	वृष (स्थिर)	सायं ६/७ से ८/३ तक
धनु (दुःस्वभाव)	दिन ९/३८ से ११/४४ तक	मिथुन (दुःस्वभाव)	रात्रि ८/३ से १०/१७ तक
मकर (चर)	दिन ११/४४ से १/३१ तक	कर्क	रात्रि १०/१७ से १२/३५ तक
कुम्भ (स्थिर)	दिन १/३१ से ३/२ तक	सिंह (स्थिर)	रात्रि १२/३५ से २/४९ तक
मीन (दुःस्वभाव)	दिन ३/२ से ४/३० तक	कन्या (दुःस्वभाव)	रात्रि २/४९ से ५/२ तक

नोट : धनतेरस पूजन का मुहूर्त भारतीय मानक समय (IST) में दिया गया है। कोलकाता का समय २३ मिनट घटाकर निकाल लेवे। धनतेरस के दिन सोना-चाँदी जैसी धातुओं का संग्रह (खरीदना) शुभ माना जाता है ।

॥ सं. २०८३ सन् २०२६-२७ के शुभ विवाह मुहूर्त ॥

अप्रैल - २०,२१,२५,२६,२७,२८,२९,३०, मई - ३,४,५,६,७,८,१२,१३,१४, जून - १९,२०,२१, २२,२३,२४,२५,२६,२७,२८,२९, जुलाई - १,२,६,७,८,११,नवम्बर - २०,२१,२४,२५,२६,३०, दिसम्बर- २,३,४,९,१०,११,१२,१५, जनवरी- १७,१८,१९,२४,२५,२६,२७,२८,२९,३१, फरवरी- २,३,९,१०,११,१४,१५,१६,२०,२१,२२,२३,२४,२५,२६,२७,२८, मार्च- १,२,३,४,९, १०,११,१४

॥ सं. २०८३ सन् २०२६-२७ के विविध मुहूर्त ॥

विपणि व्यापार (कार्यालय कारखाना दुकान आदि का मुहूर्त)

मार्च - २०,२५,३०, अप्रैल - २,६,८,९,२४,२९,३० मई - ४,६,१८,२१,२२,२७,२८,३१, जून - १८,२१,२२,२३,२७,२९, जुलाई - ८,९,१७,१९,२०,२४,२६,२७, अगस्त - ५,६,८,९, १४,१७,२३,२४, सितम्बर - ४,१३,१४,१७,१९, अक्टूबर- ११,१६,१७,२६,२८,३०, नवम्बर - १,२,४,११,१२,२१,२५,२६,२९, दिसम्बर - ३,५,१०,१९,२३,३०,३१ जनवरी - १,४, १४,१५,२०,२२,२३,२४,२८,२९,३१, फरवरी - १,३,११,१२,१९,२१,२५,२८, मार्च - १०,११, १२,१५,१८,२०,२४,२७,२९

॥ उपनयन मुहूर्त ॥

मार्च – २७,२९, अप्रैल – २१,२३, मई – ३,४,६, जून – १७,१९,२४, जुलाई – १,५, फरवरी – ११,१८,२२,२५, मार्च – १४

॥ जलाशयारम्भ सुर प्रतिष्ठा मुहूर्त ॥

अप्रैल – २३, मई ३, जून – १७,२४,२७, जुलाई – ५, जनवरी – १५,२०,२२, फरवरी – ११,१२, १८,१९,२५, मार्च – ११

॥ गृहारम्भ भूमिपूजन (नींव भरना) मुहूर्त ॥

अप्रैल – ४,८, अगस्त – २६,२८,३१, नवम्बर – २५, फरवरी – २२

॥ नुतन गृहप्रवेश मुहूर्त ॥

मई – ४,८,१३, जून – २४,२५,२६,२७, अगस्त – ३१, सितम्बर – १२,१७,२१, अक्टूबर – ३०, नवम्बर – ५, मार्च – ४

॥ जीर्णादि गृहप्रवेश मुहूर्त ॥

अगस्त – ७,८,१७,१९,२४,२८, नवम्बर – २०,२१,२५,२६, दिसम्बर – ३,४,१६, जनवरी – २८, फरवरी – ११,२५

॥ वधू प्रवेश द्विरागमन (गौना) मुहूर्त ॥

अप्रैल – २०,२२,२४,२५, मई – ४,६,७,८, नवम्बर – २५,२६, दिसम्बर – २,३,४,५,११, फरवरी – १७,१८,१९,२२,२५, मार्च – ३,४,५,११,१५

॥ चौल केशान्त मुण्डन मुहूर्त ॥

अप्रैल– २३, मई– ४, जून– १७,२४, जुलाई– ९, जनवरी– २९, फरवरी– ११,१९, २५, मार्च– ५, ११

॥ प्रयोजन कर्णवेध मुहूर्त ॥ मई – ४, जून – १७,२४, फरवरी – २५

॥ अक्षरारम्भ विद्यारम्भ मुहूर्त ॥

अप्रैल – २२,२३, मई – ३,४,६, जून – १७,१९,२१,२४, जुलाई – ५, जनवरी – १५,२५, फरवरी – ११,१२,१८,२५, मार्च – ११

॥ जातक नामकरण मुहूर्त ॥

मार्च – २५, अप्रैल – ६,१३,२३,२४, मई – ४,८,२१,२२, जून – ५,१७, जुलाई – ३०, अगस्त – ५, सितम्बर – १४,१६, अक्टूबर – २२,३०, नवम्बर – ५,१५,१६,२५, दिसम्बर – १६,३०, जनवरी – १५,२८,२९, फरवरी – १,११,१२,१९, मार्च – ५,१२,१७,१८

॥ अन्नप्राशन मुहूर्त ॥

मार्च – २५,२७, अप्रैल – ६,२३,२४, मई – ४,२१, जून – १७, जुलाई –९, अगस्त – ५, सितम्बर – १४,१६,२३, अक्टूबर– ३०, नवम्बर– १६,२६, जनवरी – २९, फरवरी –१,१९, मार्च – १५,१८, अप्रैल – २

॥ गाड़ी खरीदने का मुहूर्त ॥

वार – सोम, बुध, गुरु, शुक्र, तिथि – २, ३, ५, ७, १०, १२ यह दोनों पक्षों की तिथियाँ है ।
नक्षत्र – ३ उत्तरा, अनुराधा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, स्वाती, जेष्ठ, रेवती

॥ आपरेशन कराने का मुहूर्त ॥

वार – रवि, मंगल, गुरु, तिथि – २,३,४,५,७,८,९,१०,१२,१४,१५ यह दोनों पक्षों की तिथियाँ है ।
नक्षत्र – अनुराधा, मृगशिरा, पुनर्वसु, हस्त, स्वाती, अश्विन, जेष्ठा, श्रावण, शतभिषा

शुभ विवाह नक्षत्र – उत्तरा –३, रोहिणी, अनुराधा, मृगशिरा, मूल, रेवती, हस्त, मघा, स्वाती।
गृह आरम्भ नक्षत्र – उत्तरा–३, मृगशिरा, पुष्य, अनुराधा, धनिष्ठा, श्रवण, चित्र, हस्त, स्वाती, रोहिणी, रेवती
गृह प्रवेश नक्षत्र – उत्तरा –३, अनुराधा, रोहिणी, मृगशिरा, चित्रा, रेवती ।

एकादशी व्रत विवरण

मास शुक्ल पक्ष	दिनांक	एकादशी व्रत	मास कृष्ण पक्ष	दिनांक	एकादशी व्रत
चैत्र शुक्ल	२९/३/२६	कामदा	वैशाख कृष्ण	१३/४/२६	वरुथिनी
वैशाख शुक्ल	२७/४/२६	मोहिनी	शुद्ध ज्येष्ठ कृष्ण	१३/५/२६	अचला
अधिक ज्येष्ठ शुक्ल	२७/५/२६	पुरूषोत्तमी	अधिक ज्येष्ठ कृष्ण	११/६/२६	पुरूषोत्तमी
शुद्ध ज्येष्ठ शुक्ल	२५/६/२६	निर्जला	आषाढ़ कृष्ण	१०-११/७/२६	योगिनी
आषाढ़ शुक्ल	२५/७/२६	विष्णुशयनी	श्रावण कृष्ण	९/८/२६	कामदा
श्रावण शुक्ल	२३/८/२६	पुत्रदा	भाद्रपद कृष्ण	७/९/२६	जया
भाद्रपद शुक्ल	२२/९/२६	पद्मा	आश्विन कृष्ण	६/१०/२६	इन्दिरा
आश्विन शुक्ल	२२/१०/२६	पापांकुशा	कार्तिक कृष्ण	५/११/२६	रम्भा
कार्तिक शुक्ल	२०/११/२६	प्रबोधिनी	मार्गशीर्ष कृष्ण	४/१२/२६	उत्पन्ना
मार्गशीर्ष शुक्ल	२०/१२/२६	मोक्षदा	पौष कृष्ण	३/१/२७	सफला
पौष शुक्ल	१८,१९/१/२७	पुत्रदा	माघ कृष्ण	२/२/२७	षटतिला
माघ शुक्ल	१७/२/२७	जया	फाल्गुन कृष्ण	३-४/३/२७	विजया
फाल्गुन शुक्ल	१८/३/२७	आमलकी	चैत्र कृष्ण	२/४/२७	पापमोचनी

प्रदोष व्रत विवरण

मास शुक्ल पक्ष	दिनांक	प्रदोष व्रत	मास कृष्ण पक्ष	दिनांक	प्रदोष व्रत
चैत्र शुक्ल	३०/३/२६	सोम प्रदोष	वैशाख कृष्ण	१५/४/२६	प्रदोष
वैशाख शुक्ल	२९/४/२६	प्रदोष	शुद्ध ज्येष्ठ कृष्ण	१४/५/२६	प्रदोष
अधिक ज्येष्ठ शुक्ल	२८/५/२६	प्रदोष	अधिक ज्येष्ठ कृष्ण	१२/६/२६	प्रदोष
शुद्ध ज्येष्ठ शुक्ल	२६/६/२६	शनि प्रदोष	आषाढ़ कृष्ण	१२/७/२६	प्रदोष
आषाढ़ शुक्ल	२६/७/२६	प्रदोष	श्रावण कृष्ण	१०/८/२६	सोम प्रदोष
श्रावण शुक्ल	२५/८/२६	भौम प्रदोष	भाद्रपद कृष्ण	८/९/२६	भौम प्रदोष
भाद्रपद शुक्ल	२४/९/२६	प्रदोष	आश्विन कृष्ण	८/१०/२६	प्रदोष
आश्विन शुक्ल	२३/१०/२६	प्रदोष	कार्तिक कृष्ण	६/११/२६	प्रदोष
कार्तिक शुक्ल	२२/११/२६	प्रदोष	मार्गशीर्ष कृष्ण	६/१२/२६	प्रदोष
मार्गशीर्ष शुक्ल	२१/१२/२६	सोम प्रदोष	पौष कृष्ण	५/१/२७	भौम प्रदोष
पौष शुक्ल	२०/१/२७	प्रदोष	माघ कृष्ण	३/२/२७	प्रदोष
माघ शुक्ल	१८/२/२७	प्रदोष	फाल्गुन कृष्ण	५/३/२७	प्रदोष
फाल्गुन शुक्ल	२०/३/२७	शनि प्रदोष	चैत्र कृष्ण	४/४/२७	प्रदोष

॥ बालक के जन्म के समय पाया देखने का क्रम ॥

जातक के जन्म लग्न से चन्द्रमा की स्थिति की गणना करके उपरोक्त संख्या से पाया जानना चाहिये। चन्द्रमा के अलावा जन्म के नक्षत्र से भी पाया का विचार किया जाता है । आर्द्रा से १० – स्वाती नक्षत्र तक जन्म लेने पर चाँदी का पाया, विशाखा से ४– मूल नक्षत्र तक जन्म लेने पर लोहे का पाया, पूर्वाषाढ़ा से ७– उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र तक जन्म लेने पर ताँबे का पाया, रेवती से २– मृगशिरा नक्षत्र तक जन्म लेने पर सोने का पाया होता है। सोने का पाया माता–पिता को कड़ा तथा लोहे का पाया स्वयं को कड़ा होता है। चाँदी तथा ताँबे का पाया सबके लिये शुभ होता है।

सोना	चाँदी	ताँबा	लोहा
१	२	३	४
६	५	७	८
११	९	१०	१२

॥ भद्रावास चक्रम ॥

मेष, वृष, कर्क, मकर के चन्द्रमा की भद्रा स्वर्ग में, मिथुन, कन्या, तुला, धनु के चन्द्रमा की भद्रा पाताल में तथा सिंह, वृश्चिक, कुम्भ, मीन के चन्द्रमा की भद्रा मृत्युलोक में रहती है ।

॥ अथ फलम् ॥

स्वर्ग में भद्रा हो तो शुभ, पाताल में हो धन का आगमन और यदि मृत्युलोक में हो तो सभी कार्यों को नष्ट करने वाली होती है ।

॥ चन्द्रवास चक्रम ॥

पूरब	दक्षिण	पश्चिम	उत्तर
मेष	वृष	मिथुन	कर्क
सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक
धनु	मकर	कुम्भ	मीन

चन्द्रवास जानने के लिये जिस दिन यात्रा करनी है उस दिन चन्द्रमा किस राशि पर स्थित है, बारह महीने के विवरण में चन्द्र राशि के अनुसार जानें ।

॥ अथ फलम् ॥

यात्रा में चन्द्रमा यदि सामने अथवा दाहिने हो तो शुभ फलदायक और बांये या पीछे हों तो विपरीत फलदायक होते हैं ।

॥ अथ योगिनीवास चक्रम ॥

दिशा	पूर्व	अग्नि कोण	दक्षिण	नैऋत्य कोण	पश्चिम	वायव्य कोण	उत्तर	ईशान कोण
तिथि	प्रतिपदा	तृतीया	पंचमी	चतुर्थी	षष्ठी	सप्तमी	द्वितीया	अष्टमी
	नवमी	एकादशी	त्रयोदशी	द्वादशी	चतुर्दशी	पूर्णिमा	दशमी	अमावस्या

॥ अथ फलम् ॥

यात्रा में योगिनी सामने अथवा दायें हो तो अशुभ फलदायक एवं बायें अथवा पीछे हो तो विजय प्रदान करने वाली होती है ।

॥ अथ दिक्शूल चक्रम ॥

नक्षत्र	दिन	दिशा
ज्येष्ठा	सोम, शनि	पूर्व दिशा की यात्रा न करें ।
पूर्वा भाद्रपद	गुरू	दक्षिण दिशा की यात्रा न करें।
रोहिणी	रवि, शुक्र	पश्चिम दिशा की यात्रा न करें ।
उत्तरा फाल्गुनी	मंगल, बुध	उत्तर दिशा की यात्रा न करें ।

॥ दिशाशूल परिहार ॥

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
घी	दूध	गुड़	तिल	दही	यव(जौ)	उड़द

तिथियों के प्रकार (नाम)

नाम	तिथियाँ			नाम	तिथियाँ		
नन्दा	१	६	११	रिक्ता	४	९	१४
भद्रा	२	७	१२	पूर्णा	५	१०	१५/३०
जया	३	८	१३				

॥ राशि फल ज्ञान चक्र ॥

मेष राशि – चू, चे, लो, ला, ली, लू, ले, लो, अ : मेष राशि वालों के लिए यह वर्ष साढ़ेसाती के प्रभाव वाला रहेगा। यह वर्ष चुनौती पूर्ण रहेगा। अथक प्रयास करने पर सफलता प्राप्त होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय एवं शान्ति पूर्ण रहेगा। साढ़ेसाती के प्रभाव से मानसिक उतार–चढ़ाव के कारण मन में दुविधा बनी रहेगी। व्यापारियों को कारोबार में उलझन पैदा होगी। सरकारी कर्मचारियों की व्यस्तता रहेगी। दैनिक मजदूर वर्ग हेतु समय उत्तम है माता–पिता के स्वास्थ्य में बाधा संभव है। सन्तान पक्ष से सुखद सूचना की प्राप्ति, दाम्पत्य जीवन में मतभेद व प्रलोभन से हानि संभव है। किसी पर्यटक स्थल की यात्रा का योग है। जीवनयापन हेतु अथक परिश्रम करना होगा। अपयश लगेगा। किसी विशिष्ट व्यक्ति का योगदान महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। स्थान परिवर्तन का योग है। शनिदेव एवं हनुमान जी की उपासना–आराधना से लाभ होगा।

वृष राशि : ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो : वृष राशि वालों के लिए यह वर्ष मध्यम फल देने वाला होगा। नौकरी पेशा वालों को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। व्यापार में कर्ज की आवश्यकता पड़ सकती है, सोच समझकर निर्णय लेना उचित होगा। आकस्मिक रुप से समस्या का सामना करना पड़ सकता है। दैनिक जीवन व्यस्ततापूर्ण रहेगा, स्वास्थ्य बाधायुक्त रहेगा। मानसिक तनाव से मन खिन्न रहेगा। दाम्पत्य जीवन में घरेलू मसलों से वाद–विवाद बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति का योग है। बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में भाग–दौड़ करनी पड़ेगी। किसी नये कार्य का श्री गणेश हो सकता है। आकस्मिक खर्चे से व्यय बढ़ेगा। श्री गणेश जी एवं दुर्गा जी के आराधना से लाभ मिलेगा।

मिथुन राशि – का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, हा : मिथुन राशि वालों के लिए यह वर्ष उन्नतिकारक रहेगा। विरोधियों पर विजय प्राप्त होगी। समाज में प्रतिष्ठित व्यक्तियों से सहयोग प्राप्त होगा। स्वास्थ्य बाधायुक्त रहेगा। अस्थि तथा उदर रोगों से परेशानियाँ बढ़ सकती है। आर्थिक क्षेत्र में कार्य से सफलता प्राप्त होगी। नवीन सम्पत्ति का क्रय होगा। परिवार से सहयोग प्राप्त होगा। स्वजनों से वाद–विवाद हो सकता है। वर्ष के उत्तरार्ध में मानसिक एवं शारीरिक रूप से काफी व्यस्तता रहेगी। कार्य क्षेत्र में विशेष परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। सन्तान के प्रति चिन्तायें बढ़ेंगी। किसी आकस्मिक यात्रा का अवसर प्राप्त होगा। भगवान शिवजी की आराधना से लाभ प्राप्त होगा।

कर्क राशि – ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो : कर्क राशि वालों के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा। एक नवीन ऊर्जा एवं क्षमता का अनुभव करेंगे। वाणिज्य एवं शेयर बाजार से जुड़े लोगों को मंदी का सामना करना पड़ेगा। व्यापारिक लेन–देन में सावधानी बरतनी चाहिए। जल्दबाजी में कोई निर्णय लेना अच्छा नहीं रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में मांगलिक कृत्य होंगे। माता–पिता को तीर्थ यात्रा का अवसर मिलेगा। नेत्र विकार की सम्भावना रहेगी। कृषि क्षेत्र में कार्यरत व्यक्तियों को लाभकारी सम्भावना दिखाई देगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा। गृह कलेश से मन खिन्न रहेगा। किसी नये व्यापार का श्री गणेश हो सकता है। भगवान शिवजी व गणेश जी के आराधना से लाभ होगा।

सिंह राशि – मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे : सिंह राशि वालों के लिये यह वर्ष शनि की ढ़ैया के प्रभाव में रहेगा। यह वर्ष गोचर के अनुसार संघर्ष युक्त व कठिनाईयों वाला जीवन रहेगा। कार्य ही बिगड़ जायेगा। सामाजिक कार्यों के प्रति अभिरुचि कम रहेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहना चाहिए। अस्थि रोग के प्रति विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। अनावश्यक धन व्यय होगा। व्यवसाय से जुड़े व्यक्तियों को उतार–चढ़ाव का सामना करना पड़ेगा। व्यापारियों को नये निवेश में जोखिम नही उठानी चाहिये। शेयर बाजार से जुड़े लोगों के लिए यह वर्ष हानिकारक रहेगा। नौकरी पेशा वालों को स्थानान्तरण का सामना करना पड़ सकता है। विरोधियों से त्रस्त रहेंगे। इस अवधि में हनुमान जी की आराधना एवं शनि पूजन से लाभ होगा।

कन्या राशि – टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो : कन्या राशी वालों के लिए यह वर्ष सामान्य शुभदायक रहेगा। नये कार्य करने का अवसर मिलेगा। कठिन परिश्रम से आश्चर्यजनक परिणाम सामने आयेंगे। कोर्ट–कचहरी के मामलों में सफलता मिलेगी। मित्रों एवं स्वजनों से सहयोग प्राप्त होगा। शुभ यात्रा का योग बनेगा। स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष कष्टकारक हो सकता है। उच्च रक्त चाप के प्रति सावधानी रखनी चाहिए। आर्थिक लेन देन में सावधानी रखनी चाहिए। व्यवसाय में चली आ रही विघ्न बाधायें कम होगी। माता–पिता का स्वास्थ्य बाधायुक्त रहेगा। आय के स्त्रोत बढ़ेगें। घर में मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। सन्तान सुख की प्राप्ति होगी। मकान–वाहन के क्रय विक्रय का योग बनेगा। भगवान शिव एवं दुर्गा जी की उपासना से लाभ होगा।

तुला राशि – रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, ते : तुला राशि वालों के लिये यह वर्ष सामान्य रहेगा। षष्ठेश शनि होने से स्वास्थ्य बाधायुक्त रहेगा। अध्ययन स्थापन से जुड़े कार्यों में लोगों को सफलता मिलेगी। विद्यार्थियों को कठिन परिश्रम करना पडेगा। उदर एवं रक्त संबंधी रोगों से सावधान रहना होगा। मानसिक तनाव रहेगा। उदर विकार हो सकता है। कार्यक्षेत्र में उतार चढ़ाव के बाद स्थिति में सुधार होगा। प्रेम सम्बन्धों में संदेहास्पद स्थिति से बचना चाहिए। शत्रुओं से सावधान रहना चाहिए। संतान की ओर से शुभ समाचार प्राप्त होगा। किसी नये कार्य का शुभ आरम्भ हो सकता है। पुराने रकम की प्राप्ति का योग है। शत्रुओं से सचेत रहें। भगवान भूतभावन शिवजी की आराधना से लाभ होगा।

वृश्चिक राशि – तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू : वृश्चिक राशि वालों के लिए यह वर्ष मिश्रित फलदायक रहेगा। स्वास्थ्य सम्बन्धी कष्टों में कमी आयेगी। मानसिक स्वास्थ्य के प्रति अधिक सचेत रहने की आवश्यकता है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। जमा पूँजी धन का विस्तार होगा। धन के लेन–देन में सचेत रहे। वाहन क्रय की योजना बनेगी। पैतृक सम्पत्ति के संबंध में कुटुम्बिय वाद विवाद संभव है। आजीविका क्षेत्र में संलग्न व्यक्ति अधिक सतर्क रहें, व्यवसाय में स्थिति सामान्य रहेगी। लम्बी यात्रा का योग बनेगा। नौकरीपेशा लोगों की व्यस्तता बढ़ेगी। विक्रय क्षेत्र के लोगों की प्रगति होगी। अविवाहित लोगों को मनोनुकूल सम्बन्ध मिलेगा। पिता, पुत्र में मतभेद हो सकता है। न्यायलयीय कार्यों में सफलता मिलेगी। श्री दुर्गा जी एवं लक्ष्मी जी की आराधना से लाभ होगा।

धनु राशि – ये, यो, भा, भी, भू, ध, फ, ढ़, भे : धनु राशि वालों के लिए शनि की ढ़ैया के प्रभाव में रहेगा। यह वर्ष ढ़ैया के प्रभाव के कारण उत्तम नही है। आलस्य पूर्णजीवन रहेगा, कोई भी निर्णय स्वयं के सूझबूझ से लेना होगा। परिवार के सदस्यों से मतभेद हो सकता है। विवाद में संयम से काम लें। व्यापारियों को कारोबार बढ़ाने का अवसर मिलेगा। जमीन–जायदाद संबंधी कार्यों से कष्ट होगा। रत्न, आभूषण एवं रेशमी वस्त्र के कारोबार में सुधार होगा। जालसाजी से सचेत रहें। स्वास्थ्य के संबंध में चिन्ता होगी। आय बराबर बनी रहेगी। परन्तु व्यय भी उसी अनुपात में होता रहेगा। अपव्यय पर नियंत्र रखें। भूमि, मकान, वाहन के क्रय–विक्रय का योग बनेगा। कार्य क्षेत्र में अधिक परिश्रम करने की आवश्यकता होगी। वैवाहिक जीवन में सुख शांति बनी रहेगी। माता–पिता का स्वास्थ्य कष्टप्रद रहेगा। शनि जप एवं हनुमान चालीसा पाठ से लाभ होगा।

मकर राशि – भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी : मकर राशि वालों के लिए यह वर्ष अधिक फलदायक रहेगा। स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष कष्टप्रद है। पित्त सम्बन्धी स्वास्थ्य में बाधा आयेगी। आर्थिक क्षेत्र में किये गये प्रयासों में सफलता प्राप्त होगी। लम्बित बाधिक धन की प्राप्ति होगी। नवीन सम्पत्ति, वाहन इत्यादि खरीदने का योग बनेगा। व्यवसाय क्षेत्र में कार्यरत व्यक्तियों के लिए यह वर्ष सामान्य लाभप्रद रहेगा। नौकरीपेशा वाले अपने उच्चतम अधिकारियों के साथ तालमेल बनाकर रखें। विद्यार्थी के अध्ययन से अरुचि पैदा होगी। औषधि कार्य से जुड़े हुये लोगों का यह समय अच्छा रहेगा। जल्दी अथवा गलत निर्णय हानिप्रद होगा। मित्रों तथा सम्बन्धियों से सहयोग की प्राप्ति होगी।

दाम्पत्य जीवन में विरोध हो सकता है। सन्तान के उन्नति के योग बनेंगे। घर में मांगलिक कार्य होंगे। श्री गणेश जी एवं शिव जी के आराधना से लाभ होगा।

कुम्भ राशि – गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा : कुम्भ राशि वालों के लिए यह वर्ष शनि की साढ़ेसाती के प्रभाव वाला रहेगा। मानसिक कष्ट निरर्थक भाग दौड़, कलह तथा कार्यों में बाधायें आयेंगी। स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्यायें रहेगी। अस्थियों में पीड़ा एवं अस्थि सम्बन्धी रोग हो सकता है। धन–सम्पत्ति विवाद संभव है। क्रय विक्रय सावधानीपूर्वक करे, हानि संभव है। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। इष्ट मित्रों के सहयोग से रुका हुआ कार्य बन सकता है। सरकारी क्षेत्र में कार्यरत लोगों को संघर्ष करना पड़ेगा। दाम्पत्य जीवन में कष्ट हो सकता है। उत्तरार्द्ध में उत्साह का संचार होगा। व्यापारियों को अच्छा लाभ मिलेगा। नौकरी पेशा लोगों को सुविधा बढ़ेगा। माता–पिता को किसी तीर्थस्थल की यात्रा का अवसर मिलेगा। घर परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होगा। श्री हनुमान जी एवं शनि आराधना से लाभ होगा।

मीन राशी – दी, दू, ध, झा, ञ, दे, दो, चा, ची : मीन राशि वालों के लिए यह वर्ष शनि की साढ़ेसाती का प्रभाव वाला रहेगा। आकस्मिक रुप से परिवार की कुछ समस्या खड़ी हो सकती है। व्यापारिक वर्ग को आर्थिक कष्ट होगा। नौकरी पेशा लोगों पर मानसिक दबाव बढ़ेगा। आध्यात्मिक एवं धार्मिक दृष्टि से यह वर्ष आपके लिये महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। समाज में सम्मान मिलेगा। पुरानी रंजिश से सावधान रहे। महिलाओं हेतु लाभ की विशेष स्थितियां बनेंगी। विद्यार्थियों को भी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता विशेष परिस्थियों द्वारा प्राप्त होगी। पति–पत्नि के बीच असमानता रहेगी। सन्तान सुख प्राप्त होगा एवं सन्तान की उन्नति के योग है। माता–पिता का स्वास्थ्य में सुधार होगा। अनावश्यक अपव्यय से जीवन अस्त व्यस्त रहेगा। ठगों से सचेत रहे। आर्थिक हानि सम्भव है। सम्पत्ति विवाद में हानि एवं विदेश यात्रा संभव है। शिवजी एवं हनुमान जी के आराधना से लाभ होगा।

(रत्न धारण करने की विधि एवं जप संख्या)

सूर्य : रविवार, रत्न–माणित्य, वजन–५ रत्ती, धातु–सोना, अंगुली–अनामिका (Ring Finger) समय – प्रातःकाल ११.३० से १२.३० दिन, जप संख्या ७००० चौगुना ।

चन्द्रमा : सोमवार, रत्न– मोती, वजन– ४ रत्ती, धातु– चांदी/सोना, अंगुली–कनिष्ठिका, (Little Finger) समय – प्रातःकाल ८ से ११, जप संख्या ११००० चौगुना ।

मंगल : मंगलवार, रत्न– मूंगा, वजन– ४ रत्ती, धातु– सोना/चांदी, अंगली– अनामिका (Ring Finger) समय – प्रातःकाल ७ से ९, जप संख्या ११००० चौगुना ।

बुध : बुधवार, रत्न– पन्ना, वजन– ३ से ५ रत्ती, धातु– सोना, अंगुली– कनिष्ठिका (Little Finger), समय – प्रातःकाल ६ से ९ बजे, जप संख्या ९००० चौगुना ।

गुरु : गुरुवार, रत्न– पुखराज, वजन– १ से २ रत्ती, धातु– सोना, अंगुली– तर्जनी (Indication Finger) समय – १२ से २ दिन, जप संख्या १९००० चौगुना ।

शुक्र : शुक्रवार, रत्न– हीरा, वजन– १ से २ रत्ती, धातु– प्लेटिनम/सोना, अंगुली– अनामिका (Ring Finger) समय– प्रातःकाल ९.०० से १०.३० बजे, जप संख्या १६००० चौगुना।

शनि : शनिवार, रत्न– नीलम, वजन– ४ से ५ रत्ती, धातु– सोना, अंगुली– मध्यमा, (Middle Finger) समय – प्रातःकाल ७ से ९ बजे, जप संख्या २३००० चौगुना ।

राहु : शनिवार, बुधवार, रत्न–गोमेद, वजन– ६ से ७ रत्ती, धातु– चांदी, अंगुली– मध्यमा (Middle Finger) समय– रात ७ से ९.३० बजे, जप संख्या १८००० चौगुना ।

केतु : शनिवार, बुधवार, रत्न – लहसुनिया, वजन– ५ से ७ रत्ती, धातु– चाँदी/सोना, अंगुली कनिष्ठिका, (Little Finger) समय– रात ७ से ८.३० बजे, जप संख्या १७००० चौगुना

॥ शनि की साढ़ेसाती तथा ढ़ैया विचार ॥

इस वर्ष शनि देव मीन राशि में वर्ष भर रहेंगे। अतः इस प्रभाव से कुम्भ, मीन तथा मेष राशि वालों के लिए शनि के साढ़ेसाती का प्रभाव रहेगा। धनु और सिंह राशि वालों पर ढ़ैय्या का प्रभाव रहेगा। मेष राशि वालों के सिर पर, मीन राशि वालों के उदर (हृदय) पर तथा कुम्भ राशि वालों के पैर पर साढ़ेसाती का प्रभाव रहेगा।

गोचर वश मेष बारहवें, वृष से ग्यारहवें, मिथुन राशि से दशवें, कर्क से नववें, सिंह से आठवें, कन्या से सातवें, तुला से छठवें, वृश्चिक से पाँचवे, धनु से चौथे एवं मकर से तीसरे, कुम्भ से दुसरे, मीन से प्रथम स्थान में शनि देव भ्रमण करेंगे। मीन, तुला, वृष राशि के स्वर्णपाद में, कुम्भ, वृश्चिक, कर्क राशि के रजतपाद में, मकर, कन्या, मिथुन राशिवालों के ताम्रपाद में, धनु, सिंह, मेष राशि वालों के लौहपाद में शनि देव भ्रमण करेंगे।

चौथे, आठवें, बारहवे शनि देव अनिष्टकारक होंगे। शनि की साढ़ेसाती व ढ़ैया के प्रभावित राशि के जातकों को शान्त्यर्थ शनि का जप दानादि करना चाहिये। शनि स्तोत्र का पाठ तथा हनुमान जी की आराधना व दर्शन, अर्चन व पूजन से लाभ होगा। शनिवार को पीपल के मूल में जल एवं सायंकाल में दीपदान करें, बन्दर को चना, गुड़ देना चाहिये। शनिवार को सुन्दरकाण्ड का पाठ एवं काले घोड़े के नाल की अंगुठी मध्यमा अंगुली में धारण करें। काला तिल, अंजल, लोह, बला, सौंफ, धान का लावा (खील) को जल में डालकर स्नानादि से शनि दोष शान्त होता है।

शनि मंत्र : नीलांजन समाभासं रवि पुत्रं यमाग्रजम् ।
छाया मार्तण्ड सम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम् ।

इस मंत्र का ९२००० जप स्वयं करें या वैदिक ब्राह्मणों से कराएं अथवा शनि के वैदिक मंत्र व शनि गायत्री मंत्र का ९२००० जप तथा दशांश हवन कराएँ ।

काला तिल, अंजन, लोहा, सौंफ, धान का लावा जल में डालकर शनिवार को स्नान करने से शनि दोष शान्त होता है । ज्योतिषी की सलाह से नीलम रत्न धारण करने से भी लाभ होता है । विशेष जानकारी के लिए संपादक से संपर्क करें ।

शनि गायत्री मंत्र का जाप एवं शनि स्तोत्र के पाठ से भी विशेष लाभ होता है ।

॥ विभिन्न अंगों पर शनि के ७.६ वर्ष – २७३६ दिन का प्रभाव ॥

दिन	अंगों पर	फल
१ से १०० दिन	मुख पर	धनहानि, शारीरिक एवं मानसिक कष्ट
१०१ से ५०० दिन	दांयी भुजा	व्यापार परिवर्तन, विजय, रोग, धनहानि, सफलता
५०१ से ९१२ दिन	पैर (चरण)	यात्रा, गृहकलह, शत्रुभय, लाभ भाग्योदय
९१३ से १६०० दिन	उदर (पेट)	स्थान परिवर्तन, धनहानि, अपमान, शत्रुभय
१६०१ से १८२५ दिन	बाँयी भुजा	अपमान, कष्ट, दुर्भाग्य, रोग, धनहानि, व्यापार में परिवर्तन
१८२६ से २३०० दिन	मस्तिष्क	लाभ, सफलता, दाम्पत्यक्लेश, पिता को कष्ट
२३०१ से २५०० दिन	नेत्र	उन्नति, सौभाग्य, निर्माण कार्य, स्थिरता, दूरदर्शिता
२५०१ से २७३६ दिन	गुदा	शरीर पीड़ा, कष्ट, रोग, क्लेश, धनहानि एकान्तवास

॥ होलाष्टक ॥

होलिका दाह से आठ दिन पूर्व लग जाता है ।

विंपाशेरावतीतीरे शतत्रुद्र्याश्च त्रिपुष्करे । विवाहादि शुभे नेष्टं होलिका प्राग्दिनाष्टकम् ॥

होलाष्टक का दोष केवल सतलुज, व्यास, रावी नदी तथा त्रिपुष्कर क्षेत्रों में विवाहादि शुभ कार्यों का निषेध है, अन्यत्र विवाहादि कार्य शुभ है ।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

सं. 2083 चैत्र शुक्ल पक्ष (सुदी)

सूर्य उत्तरायण | सूर्योदय 6/01 | सूर्यास्त 5/59 | वसन्त ऋतु

(ता. 19 मार्च 2026 से 2 अप्रैल 2026 तक)

तारीख	दिन	तिथि समय बजे तक	नक्षत्र समय बजे तक	व्रतोपवास विवरण
१९/३	गुरुवार	प्रतिपदा प्रातः ६/४०	उत्तरा भाद्रपद रात्रि ४/३५	अमावश्या प्रातः ६/४० तक, बसंत नवरात्र आरम्भ कलश स्थापन, रौद्र संवत्सर आरम्भ
२०/३	शुक्रवार	द्वितीया रात्रि ३/४७	रेवती रात्रि ३/४१	श्री झूलेलाल जयन्ती (सिन्धी समाज) ब्रह्मचारिणी देवी दर्शन, चन्द्रमा मेष राशि पर रात्रि ३/४१ से, मूल जारी, सर्वार्था अमृतसिद्धि योग, सिंधारा
२१/३	शनिवार	तृतीया रात्रि १/४८	अश्विनी रात्रि २/२७	गणगौर व्रत (राज.) गौरी दोलोत्सव, मत्स्यावतार, सरहुल (बिहार) चन्द्रघन्टा देवी दर्शन, मूल समाप्त रात्रि २/२७ पर
२२/३	रविवार	चतुर्थी रात्रि ११/३९	भरणी रात्रि १/०	श्री गणेश चतुर्थी चतुर्थी व्रत, कुष्माण्डा देवी दर्शन, भद्रा दिन १२/४३ से रात्रि ११/३९ तक
२३/३	सोमवार	पंचमी रात्रि ९/१८	कृतिका रात्रि ११/२४	श्री रामराज्य महोत्सव, स्कन्दमाता दर्शन, लक्ष्मीपूजन चन्द्रमा वृष राशि पर प्रातः ६/३६ से
२४/३	मंगलवार	षष्ठी रात्रि ६/५३	रोहिणी रात्रि ९/४३	श्री सूर्य षष्ठी व्रत (बिहार), श्री स्कन्द षष्ठी व्रत, कात्यायनी देवी दर्शन
२५/३	बुधवार	सप्तमी सायं ४/२९	मृगशिरा रात्रि ८/४	श्री अन्नपूर्णा परिक्रमा आरम्भ, महानिशा पूजा काल रात्रि देवी दर्शन, चन्द्रमा मिथुन राशि पर दिन ८/५३ से, भद्रा सायं ४/२९ से रात्रि ३/२० तक
२६/३	गुरुवार	अष्टमी दिन २/११	आर्द्रा रात्रि ६/३१	श्री दुर्गाअष्टमी व्रत, महाष्टमी, महानवमी व्रत, श्री दुर्गा नवमी, श्री अन्नपूर्णा परिक्रमा समाप्त, महागौरी दर्शन, सर्वार्थसिद्धि योग
२७/३	शुक्रवार	नवमी दिन १२/२	पुनर्वसु सायं ५/८	नवरात्र व्रत पारण, श्री रामनवमी व्रत, रामावतार, रामजन्म महोत्सव, सिद्धिदात्री देवी दर्शन, चन्द्रमा कर्क राशि पर दिन ११/२९ से, सर्वार्थसिद्धि योग
२८/३	शनिवार	दशमी दिन १०/६	पुष्य दिन ४/१	धर्मराज दशमी, भद्रा रात्रि ९/१९ से, श्लेषा के मूल आरम्भ दिन ४/१ से
२९/३	रविवार	एकादशी दिन ८/३१	श्लेषा दिन ३/१६	कामदा एकादशी व्रत सबकी, चन्द्रमा सिंह राशि पर दिन ३/१६ से, भद्रा दिन ८/३१ तक, मूल जारी
३०/३	सोमवार	द्वादशी प्रातः ७/२०	मघा दिन २/५१	सोम प्रदोष व्रत पुत्रलाभाय, श्री अनङ्ग त्रयोदशी व्रत, वामन व मदन द्वादशी, श्री श्यामजी की ज्योत, मूल समाप्त दिन २/५१ पर
३१/३	मंगलवार	त्रयोदशी प्रातः ६/३३	पूर्वा फाल्गुनी दिन २/५५	श्री महावीर जयन्ती (जैन) सूर्य रेवती नक्षत्र पर, चन्द्रमा कन्या राशि पर रात्रि ९/३ से
१ अप्रैल	बुधवार	चतुर्दशी प्रातः ६/१५	उत्तरा फा. दिन ३/२८	पूर्णिमा व्रत, मदन भंजी (बंगाल) भद्रा प्रातः ६/१५ से रात्रि ६/२२ तक
२/४	गुरुवार	पूर्णिमा प्रातः ६/२८	हस्त सायं ४/३१	स्नान-दान की पूर्णिमा, हनुमान जयन्ती, मेला सालासर बालाजी (राज.) चन्द्रमा तुला राशि पर रा.शे. ५/२५ से

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

सं. 2083 वैशाख कृष्ण पक्ष (बदी)

सूर्य उत्तरायण | सूर्योदय 5/51 | सूर्यास्त 6/9 | वसन्त ऋतु

(ता. 3 अप्रैल 2026 से 17 अप्रैल 2026 तक)

तारीख	दिन	तिथि समय बजे तक	नक्षत्र समय बजे तक	व्रतोपवास विवरण
३/४	शुक्रवार	प्रतिपदा प्रातः ७/१६	चित्रा सायं ६/४	पौसरा (प्याऊ लगाना) महाघटाभिषेक विन्ध्यवासिनी देवी, गुड़ फ्राइडे
४/४	शनिवार	द्वितीया दिन ८/२६	स्वाती रात्रि ८/३	भद्रा रात्रि ९/१६ से, सर्वार्थसिद्धि योग
५/४	रविवार	तृतीया दिन १०/४	विशाखा रात्रि १०/२२	श्री गणेश चतुर्थी व्रत, स्वामी लीला शाह जयन्ती, चन्द्रमा वृश्चिक राशि पर दिन ३/४७ से, भद्रा दिन १०/४ तक
६/४ 卐	सोमवार	चतुर्थी दिन ११/५९	अनुराधा रात्रि १२/५५	सती अनुसूइया जयन्ती, ज्येष्ठा के मूल आरम्भ रात्रि १२/५५ से, सर्वार्थसिद्धि योग
७/४	मंगलवार	पंचमी दिन २/५	ज्येष्ठा रात्रि ३/३४	गुरु तेगबहादुर जयन्ती (सिख), चन्द्रमा धनु राशि पर रात्रि ३/३४ से, मूल जारी, व्यतीपात योग
८/४	बुधवार	षष्ठी दिन ४/९	मूल समस्त	कोकिला षष्ठी (मिथिला), गुरु अर्जुन देव जयन्ती (सिख) दुर्लभसंधिकर योग, मूल जारी, भद्रा दिन ४/९ से रा.शे. ५/५ तक
९/४ 卐	गुरुवार	सप्तमी सायं ६/०	मूल प्रातः ६/४	मूल समाप्त प्रातः ६/४ पर
१०/४	शुक्रवार	अष्टमी रात्रि ७/३४	पूर्वाषाढ़ा दिन ८/१९	श्री शीतला अष्टमी व्रत, चन्द्रमा मकर राशि पर दिन २/४८ से, बूढ़ो बासेड़ो
११/४	शनिवार	नवमी रात्रि ८/४०	उत्तराषाढ़ा दिन १०/१२	सर्वार्थसिद्धि योग
१२/४ 卐	रविवार	दशमी रात्रि ९/१९	श्रवण दिन १२/१	चन्द्रमा कुम्भ राशि पर रात्रि १२/१९ से, पंचक आरम्भ रात्रि १२/१९ से, भद्रा दिन ८/५९ से रात्रि ९/१९ तक
१३/४ 卐	सोमवार	एकादशी रात्रि ९/३०	धनिष्ठा दिन १२/३८	वरुथिनी एकादशी व्रत सबकी, श्री वल्लभाचार्य जयन्ती, पंचक जारी
१४/४	मंगलवार	द्वादशी रात्रि ९/५	शतभिषा दिन १/८	मेष की संक्रान्ति, पुण्यकाल प्रातः सूर्य अश्विनी नक्षत्र पर, पंचक जारी
१५/४	बुधवार	त्रयोदशी रात्रि ८/१२	पूर्वा भाद्रपद दिन १/६	प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि व्रत, पोईला बैशाख (बंगाल), बगाह बिहू (असम), शिल हेम्बा (मणिपुर) चन्द्रमा मीन राशि पर प्रातः ७/६ से, भद्रा रात्रि ८/१२ से, पंचक लगा है।
१६/४	गुरुवार	चतुर्दशी रात्रि ६/५४	उत्तरा भाद्रपद दिन १२/३६	भद्रा प्रातः ७/३३ तक, रेवती के मूल आरम्भ दिन १२/३६ से, पंचक लगा है, सर्वार्थासिद्धि योग
१७/४	शुक्रवार	अमावस्या सायं ५/१३	रेवती दिन ११/४७	स्नान दान व श्राद्ध की अमावस्या, मेला पिंजोर (हरियाणा), चन्द्रमा मेष राशि पर दिन ११/४७ से, पंचक समाप्त दिन ११/४७ पर, मूल जारी, सर्वार्थसिद्धि योग

खरमास समाप्त १४/४/२०२६

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

सं. 2083 वैशाख शुक्ल पक्ष (सुदी)

सूर्य उत्तरायण | सूर्योदय 5/40 | सूर्यास्त 6/20 | वसन्त ऋतु

(ता. 18 अप्रैल 2026 से 1 मई 2026 तक)

तारीख	दिन	तिथि समय बजे तक	नक्षत्र समय बजे तक	व्रतोपवास विवरण
१८/४	शनिवार	प्रतिपदा दिन ३/१३	अश्विनी दिन १०/३६	देव दामोदर तिथि (असम) मूल समाप्त दिन १०/३६ पर
१९/४	रविवार	द्वितीया दिन १/१	भरणी दिन ९/१०	श्री परशुराम जयन्ती, छत्रपति शिवाजी जयन्ती, चन्द्रमा वृष राशि पर दिन २/४७ से
२०/४ 卐	सोमवार	तृतीया दिन १०/३९	कृत्तिका प्रातः ७/३६	अक्षय तृतीया आखातीज, श्री बद्रीकेदार यात्रा, श्याम खिचड़ो (राज.) श्री गणेश चतुर्थी व्रत, भद्रा रात्रि ९/२७ से, सर्वार्थसिद्धि योग
२१/४	मंगलवार	चतुर्थी दिन ८/१३	रोहिणी/मृगशिरा प्रातः ५/५६ रा.शे. ४/१७	चन्द्रमा मिथुन राशि पर सायं ५/७ से, भद्रा दिन ८/१३ तक, सर्वार्थसिद्धि योग
२२/४	बुधवार	पंचमी/षष्ठी रा.शे. ३/२७	आर्द्रा रात्रि २/४३	पंचमी प्रातः ५/४७ तक, आद्य जगद्गुरु शंकराचार्य जयन्ती, श्री सूरदास जयन्ती, श्री स्कन्द षष्ठी, श्री रामानुजाचार्य जयन्ती, चन्दन षष्ठी (बंगाल)
२३/४ 卐	गुरुवार	सप्तमी रात्रि १/१७	पुनर्वसु रात्रि १/१८	श्री गंगा सप्तमी, गंगा पूजन, बाबू कुँवरसिंह जयन्ती (बिहार), चन्द्रमा कर्क राशि पर रात्रि ७/३९ से, भद्रा रात्रि १/१७ से
२४/४ 卐	शुक्रवार	अष्टमी रात्रि ११/२१	पुष्य रात्रि १२/७	श्री बगलामुखी जयन्ती, भद्रा दिन १२/१९ तक श्लेषा के मूल आरम्भ रात्रि १२/७ से
२५/४	शनिवार	नवमी रात्रि ९/४४	श्लेषा रात्रि ११/१७	श्री सीता नवमी व जानकी जयन्ती, मैथिल दिवस, मूल, श्री दुर्गाजी की ज्योत, चन्द्रमा सिंह राशि पर रात्रि ११/१७ से
२६/४	रविवार	दशमी रात्रि ८/३०	मघा रात्रि १०/४७	मूल समाप्त रात्रि १०/४७ पर
२७/४	सोमवार	एकादशी रात्रि ७/४२	पूर्वा फाल्गुनी रात्रि १०/४४	मोहिनी एकादशी व्रत सबकी, सूर्य भरणी नक्षत्र पर, चन्द्रमा कन्या राशि पर रा.शे. ४/५१ से, भद्रा दिन ८/६ से रात्रि ७/४२ तक
२८/४	मंगलवार	द्वादशी रात्रि ७/२२	उत्तराफाल्गुनी रात्रि ११/१०	रुक्मणी द्वादशी, परशुराम द्वादशी, पिपीतकी द्वादशी (बंगाल), श्री श्यामजी की ज्योत
२९/४	बुधवार	त्रयोदशी रात्रि ७/३२	हस्त रात्रि १२/७	प्रदोष व्रत, ओंकारेश्वर यात्रा, सर्वार्थसिद्धि योग
३०/४	गुरुवार	चतुर्दशी सायं ८/१७	चित्रा रात्रि १/३४	श्रीनृसिंह चतुर्दशी व्रत, श्री छिन्नमस्तका देवी जयन्ती चन्द्रमा तुला राशि पर दिन १२/५१ से, भद्रा रात्रि ८/१७ से
१ मई	शुक्रवार	पूर्णिमा रात्रि ९/२७	स्वाती रात्रि १/२८	स्नान-दान व व्रत की पूर्णिमा, श्रमिक दिवस, कूर्म जयन्ती, पुष्करा देवी जयन्ती, बुद्ध जयन्ती, बुद्ध पूर्णिमा, गन्धेश्वरी पूजा (बंगाल), भद्रा दिन ८/५३ तक

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

सं. 2083 शुद्ध ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष (बदी)

सूर्य उत्तरायण | सूर्योदय 5/30 | सूर्यास्त 6/30 | वसन्त ऋतु

(ता. 2 मई 2026 से 16 मई 2026 तक)

तारीख	दिन	तिथि समय बजे तक	नक्षत्र समय बजे तक	व्रतोपवास विवरण
२/५	शनिवार	प्रतिपदा रात्रि ११/३	विशाखा समस्त	श्री श्री माँ आनन्दमयी जयन्ती, चन्द्रमा वृश्चिक राशि पर रात्रि ११/१० से, व्यतिपात योग
३/५	रविवार	द्वितीया रात्रि १२/५७	विशाखा प्रातः ५/४४	देवर्षि नारद जयन्ती
४/५	सोमवार	तृतीया रात्रि ३/०	अनुराधा दिन ८/१५	भद्रा दिन १/५८ से रात्रि ३/० तक, ज्येष्ठा के मूल आरम्भ दिन ८/१५ से, सर्वार्थसिद्धि योग
५/५	मंगलवार	चतुर्थी रात्रि ५/१	ज्येष्ठा दिन १०/५२	अंगारक संकष्टी श्री गणेश चतुर्थी व्रत, चन्द्रमा धनु राशि पर दिन १०/५२ से, मूल जारी
६/५	बुधवार	पंचमी समस्त	मूल दिन १/२६	कृष्ण पंचमी (जैन) मूल समाप्त दिन १/२६ से
७/५	गुरुवार	पंचमी प्रातः ६/५१	पूर्वाषाढ़ा दिन ३/४६	गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर जयन्ती, चन्द्रमा मकर राशि पर रात्रि १०/१६ से
८/५	शुक्रवार	षष्ठी दिन ८/२४	उत्तराषाढ़ा सायं ५/४६	भद्रा दिन ८/२४ से रात्रि ८/५७ तक, सर्वार्थसिद्धि योग
९/५	शनिवार	सप्तमी दिन ९/२८	श्रवण रात्रि ७/१८	प्रदोषे कालाष्टमी व्रत, सर्वार्थसिद्धि योग
१०/५	रविवार	अष्टमी दिन १०/६	धनिष्ठा रात्रि ८/२१	श्री शीतला अष्टमी व्रत, त्रिलोचना अष्टमी (बंगाल) चन्द्रमा कुम्भ राशि पर प्रातः ७/५० से पंचक आरम्भ प्रातः ७/५० से
११/५	सोमवार	नवमी दिन १०/१२	शतभिषा रात्रि ८/५५	सूर्य कृत्तिका नक्षत्र पर, भद्रा रात्रि १०/१ से, पंचक लगा है
१२/५	मंगलवार	दशमी दिन ९/४७	पूर्वा भाद्रपद रात्रि ८/५९	चन्द्रमा मीन राशि पर दिन २/५८ से, भद्रा दिन ९/४७ तक, पंचक लगा है, सर्वार्थसिद्धि योग
१३/५	बुधवार	एकादशी दिन ८/५३	उत्तरा भाद्रपद रात्रि ८/३५	अचला व जलक्रीड़ा एकादशी व्रत सबकी, पंचक लगा है, रेवती के मूल आरम्भ रात्रि ८/३५ से
१४/५	गुरुवार	द्वादशी प्रातः ७/३३	रेवती रात्रि ७/४९	प्रदोष व्रत, वट्सावित्री व्रत आरम्भ, चन्द्रमा मेष राशि पर रात्रि ७/४९ से पंचक समाप्त रात्रि ७/४९ पर, मूल जारी
१५/५	शुक्रवार	त्रयोदशी/चतुर्दशी रा.शे. ३/५१	अश्विनी रात्रि ६/४३	(त्रयोदशी प्रातः ५/५२ तक) मास शिवरात्रि व्रत, वट्सावित्री व्रत द्वितीय दिन, वृष की संक्रान्ति, मूल समाप्त रात्रि ६/४३ पर, भद्रा प्रातः ५/५२ से सायं ८/५६ तक, ग्रीष्म ऋतु
१६/५	शनिवार	अमावस्या रात्रि १/३७	भरणी सायं ५/५०	स्नान-दान व श्राद्ध की अमावस्या, वटसावित्री व्रत, बड़सायंत अमावस्या, शनि जयन्ती, फलहारिणी कालिका पूजा(बंगाल) चन्द्रमा वृष राशि पर रात्रि १०/५८ से

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

सं. 2083 अधिक ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष (सुदी)

सूर्य उत्तरायण | सूर्योदय 5/22 | सूर्यास्त 6/38 | ग्रीष्म ऋतु

(ता. 17 मई 2026 से 31 मई 2026 तक)

तारीख	दिन	तिथि समय बजे तक	नक्षत्र समय बजे तक	व्रतोपवास विवरण
१७/५	रविवार	प्रतिपदा रात्रि ११/१४	कृत्तिका रात्रि ३/४८	दशाश्वमेघ स्नान आरम्भ, तिथि दशमी यावत्, श्री विष्णु व शिव आराधना आरम्भ अधिक मास पर्यन्त
१८/५	सोमवार	द्वितीया रात्रि ८/४६	रोहिणी दिन २/९	चन्द्रमा मिथुन राशि पर रात्रि १/१९ से, सर्वार्थसिद्धि योग
१९/५	मंगलवार	तृतीया सायं ६/१९	मृगशिरा दिन १२/२९	भद्रा रा.शे. ५/९ से
२०/५	बुधवार	चतुर्थी दिन ३/५६	आर्द्रा दिन १०/५२	वैनायकी श्री गणेश चतुर्थी व्रत, चन्द्रमा कर्क राशि पर रात्रि ३/४८ से, भद्रा दिन ३/५६ तक
२१/५	गुरुवार	पंचमी दिन १/४५	पुनर्वसु दिन ९/२६	सर्वार्थसिद्धि योग
२२/५	शुक्रवार	षष्ठी दिन ११/४६	पुष्य दिन ८/१२	श्री स्कन्द षष्ठी व्रत, श्लेषा के मूल आरम्भ दिन ८/१२ से
२३/५	शनिवार	सप्तमी दिन १०/८	श्लेषा प्रातः ७/१८	चन्द्रमा सिंह राशि पर प्रातः ७/१८ से, भद्रा दिन १०/८ से रात्रि ९/३० तक, मूल जारी
२४/५	रविवार	अष्टमी दिन ८/५२	मघा प्रातः ६/४३	मूल समाप्त प्रातः ६/४३ पर
२५/५	सोमवार	नवमी दिन ८/१	पूर्वा फाल्गुनी प्रातः ६/३४	सूर्य रोहिणी नक्षत्र पर, चन्द्रमा कन्या राशि पर दिन १२/४० से
२६/५	मंगलवार	दशमी दिन ७/४०	उत्तरा फाल्गुनी दिन ६/५५	श्री गंगा दशहरा, गंगा अवतरण, श्री सेतुबन्ध रामेश्वरम् प्रतिष्ठा दिवस, भद्रा रात्रि ७/४५ से
२७/५	बुधवार	एकादशी दिन ७/४९	हस्त दिन ७/४५	पुरुषोत्तमी एकादशी व्रत सबकी, चन्द्रमा तुला राशि पर रात्रि ८/२६ से, भद्रा दिन ७/४९ तक, सर्वार्थसिद्धि योग
२८/५	गुरुवार	द्वादशी दिन ८/३१	चित्रा दिन ९/६	प्रदोष व्रत, श्री श्यामजी की ज्योत
२९/५	शुक्रवार	त्रयोदशी दिन ९/३८	स्वाती दिन १०/५५	
३०/५	शनिवार	चतुर्दशी दिन ११/११	विशाखा दिन १/६	पूर्णिमा व्रत, चन्द्रमा वृश्चिक राशि प्रातः ६/३४ से भद्रा दिन ११/११ से रात्रि १२/७ तक
३१/५	रविवार	पूर्णिमा दिन १/२	अनुराधा दिन ३/३५	स्नानदान की पूर्णिमा, ज्येष्ठा के मूल आरम्भ दिन ३/३५ से

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

सं. 2083 अधिक ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष (बदी)

सूर्य उत्तरायण | सूर्योदय 5/16 | सूर्यास्त 6/44 | ग्रीष्म ऋतु

(ता. 1 जून 2026 से 15 जून 2026 तक)

तारीख	दिन	तिथि समय बजे तक	नक्षत्र समय बजे तक	व्रतोपवास विवरण
१ जून	सोमवार	प्रतिपदा दिन ३/४	ज्येष्ठा सायं ६/१४	चन्द्रमा धनु राशि पर सायं ६/१४ से, मूल जारी
२/६	मंगलवार	द्वितीया सायं ५/३	मूल रात्रि ८/४८	मूल समाप्ती रात्रि ८/४८ पर
३/६	बुधवार	तृतीया रात्रि ६/५३	पूर्वाषाढ़ा रात्रि ११/१३	भद्रा प्रातः ५/५९ से रात्रि ६/५३ तक
४/६	गुरुवार	चतुर्थी रात्रि ८/२५	उत्तराषाढ़ा रात्रि १/१७	संकष्टी श्री गणेश चतुर्थी व्रत, चन्द्रमा मकर राशि पर प्रातः ५/४४ से
५/६	शुक्रवार	पंचमी रात्रि ९/२९	श्रवण रात्रि २/५६	विश्व पर्यावरण दिवस, सर्वार्थसिद्धि योग
६/६	शनिवार	षष्ठी रात्रि १०/६	धनिष्ठा रात्रि ४/६	चन्द्रमा कुम्भ राशि पर दिन ३/३१ से, भद्रा रात्रि १०/६ से, पंचक आरम्भ दिन ३/३१ से
७/६	रविवार	सप्तमी रात्रि १०/१२	शतभिषा रात्रि ४/४६	भद्रा दिन १०/० तक, पंचक लगा है।
८/६	सोमवार	अष्टमी रात्रि ९/४८	पूर्वा भाद्रपद रात्रि ४/५७	चन्द्रमा मीन राशि पर रात्रि १०/५४ से, कालाष्टमी व्रत, सूर्य मृगशिरा नक्षत्र पर, पंचक लगा है
९/६	मंगलवार	नवमी रात्रि ८/५४	उत्तरा भाद्रपद रात्रि ४/३९	सर्वार्थसिद्धि योग, पंचक लगा है। रेवती के मूल आरम्भ रात्रि ४/३९ से
१०/६	बुधवार	दशमी रात्रि ७/३४	रेवती रात्रि ३/५७	चन्द्रमा मेष राशि पर रात्रि ३/५७ से, पंचक समाप्त रात्रि ३/५७ पर, मूल जारी, भद्रा दिन ८/१५ से रात्रि ७/३४ तक
११/६	गुरुवार	एकादशी सायं ५/५३	अश्विनी रात्रि २/५४	पुरुषोत्तमी एकादशी व्रत सबकी, मूल समाप्त रात्रि २/५४ पर, सर्वार्थसिद्धि योग
१२/६	शुक्रवार	द्वादशी दिन ३/५१	भरणी रात्रि १/३५	प्रदोष व्रत
१३/६	शनिवार	त्रयोदशी दिन १/३७	कृत्तिका रात्रि १२/४	मास शिवरात्रि व्रत, चन्द्रमा वृष राशि पर प्रातः ७/१३ से, भद्रा दिन १/३७ से रात्रि १२/२७ तक
१४/६	रविवार	चतुर्दशी दिन ११/१४	रोहिणी रात्रि १०/२६	श्राद्ध की अमावस्या
१५/६	सोमवार	अमावस्या दिन ८/४५	मृगशिरा रात्रि ८/४५	स्नान दान की सोमवती अमावस्या, मिथुन की संक्रान्ति, पुण्यकाल दूसरे दिन, चन्द्रमा मिथुन राशि पर दिन ९/३६ से, अधिक मास के यम नियम सम्पन्न

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

सं. 2083 शुद्ध ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष (सुदी)

सूर्य उत्तरायण | सूर्योदय 5/13 | सूर्यास्त 6/47 | ग्रीष्म ऋतु

(ता. 16 जून 2026 से 29 जून 2026 तक)

तारीख	दिन	तिथि समय बजे तक	नक्षत्र समय बजे तक	व्रतोपवास विवरण
१६/६	मंगलवार	प्रतिपदा/द्वितीया रा.शे. ३/५४	आर्द्रा रात्रि ७/८	प्रतिपदा प्रातः ६/१७ तक, करवीर व्रत, सोपपदा
१७/६ 卐	बुधवार	तृतीया रात्रि १/४०	पुनर्वस सायं ५/३८	रम्भा व्रत, महाराणा प्रताप जयन्ती (राज.) चन्द्रमा कर्क राशि पर दिन १२/१ से
१८/६	गुरुवार	चतुर्थी रात्रि ११/३९	पुष्य दिन ४/२१	श्री गणेश चतुर्थी व्रत, उमावतार, उमा चतुर्थी (बंगाल) गुरु पुष्य योग, भद्रा दिन १२/४० से रात्रि ११/३९ तक, ज्येष्ठा के मूल आरम्भ दिन ४/२१ से
१९/६ 卐	शुक्रवार	पंचमी रात्रि ९/५९	श्लेषा दिन ३/२२	श्रुत पंचमी (जैन), चन्द्रमा सिंह राशि पर दिन ३/२२ से मूल जारी
२०/६	शनिवार	षष्ठी रात्रि ८/४०	मघा दिन २/४२	जमाई षष्ठी (बंगाल), रानी झाँसी लक्ष्मी बाई पुण्यतिथि गुरु अर्जनदेव शहीद दिवस (सिख), मूल समाप्त दिन २/४२ पर
२१/६ 卐	रविवार	सप्तमी रात्रि ७/४७	पूर्वा फाल्गुनी दिन २/२८	विश्व योग दिवस, चन्द्रमा कन्या राशि पर रात्रि ८/३१ से, भद्रा रात्रि ७/४७ से, सर्वार्थसिद्धि योग
२२/६ 卐	सोमवार	अष्टमी रात्रि ७/३३	उत्तरा फाल्गुनी दिन २/४२	मेला क्षीर भवानी (कश्मीर), धूमावती जयन्ती, सूर्य आर्द्रा नक्षत्र पर, भद्रा प्रातः ७/३६ तक, कामरुप कामाख्या धाम महोत्सव, व्यतिपात योग
२३/६	मंगलवार	नवमी रात्रि ७/३०	हस्त दिन ३/२५	नवम्यामुपोष्य देवी पूजयेत् श्री दुर्गाजी की ज्योत
२४/६ 卐	बुधवार	दशमी रात्रि ८/९	चित्रा दिन ४/४०	श्री बटुक भैरव जयन्ती, चन्द्रमा तुला राशि पर रा.शे. ४/३ से
२५/६	गुरुवार	एकादशी रात्रि ९/१४	स्वाती सायं ६/२१	निर्जला व भीमसेनी एकादशी व्रत सबकी, गायत्री जयन्ती, भद्रा दिन ८/४३ से रात्रि ९/१४ तक
२६/६ 卐	शुक्रवार	द्वादशी रात्रि १०/४५	विशाखा रात्रि ८/२९	त्रिविक्रम पूजा, श्री राम द्वादशी, गोतमेश्वर दर्शन, चम्पक द्वादशी (उड़ीसा) चन्द्रमा वृश्चिक राशि पर दिन १/५७ से, श्री श्यामजी की ज्योत
२७/६ 卐	शनिवार	त्रयोदशी रात्रि १२/३५	अनुराधा रात्रि १०/५४	शनि प्रदोष व्रत पुत्र लाभाय, वट्सावित्री व्रत आरम्भ ज्येष्ठा के मूल आरम्भ रात्रि १०/५४ से
२८/६	रविवार	चतुर्दशी रात्रि २/३५	ज्येष्ठा रात्रि १/३०	वट्सावित्री व्रत द्वितीय दिन, चम्पक चतुर्दशी (बंगाल) चन्द्रमा धनु राशि पर रात्रि १/३० से, भद्रा रात्रि २/३५ से, सर्वार्थसिद्धि योग, मूल जारी
२९/६	सोमवार	पूर्णिमा रात्रि ४/३५	मूल रात्रि ४/७	स्नान-दान व व्रत की पूर्णिमा, वट्सावित्री व्रत, संत कबीर जयन्ती, भद्रा दिन १/३५ तक, मूल समाप्त रात्रि ४/७ पर

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

सं. 2083 आषाढ़ कृष्ण पक्ष (बदी)

सूर्य उत्तरायण | सूर्योदय 5/13 | सूर्यास्त 6/47 | ग्रीष्म ऋतु

(ता. 30 जून 2026 से 14 जुलाई 2026 तक)

तारीख	दिन	तिथि समय बजे तक	नक्षत्र समय बजे तक	व्रतोपवास विवरण
३०/६	मंगलवार	प्रतिपदा समस्त	पूर्वाषाढ़ा समस्त	गुरु हरगोविन्द सिंह जयन्ती (सिख)
१ जुलाई	बुधवार	प्रतिपदा प्रातः ६/२५	पूर्वाषाढ़ा प्रातः ६/३३	चन्द्रमा मकर राशि पर दिन १/६ से
२/७	गुरुवार	द्वितीया दिन ७/५८	उत्तराषाढ़ा दिन ८/४४	भद्रा रात्रि ८/३१ से
३/७	शुक्रवार	तृतीया दिन ९/३	श्रवण दिन १०/२८	श्री गणेश चतुर्थी व्रत, चन्द्रमा कुम्भ राशि पर दिन ११/८ से, भद्रा दिन ९/३ तक, पंचक आरम्भ दिन ११/८ से
४/७	शनिवार	चतुर्थी दिन ९/४२	धनिष्ठा दिन ११/४६	पंचक लगा है
५/७ 卐	रविवार	पंचमी दिन ९/४९	शतभिषा दिन १२/३३	पंचक लगा है
६/७ 卐	सोमवार	षष्ठी दिन ९/२६	पूर्वा भाद्रपद दिन १२/४९	सूर्य पुनर्वसु नक्षत्र पर, चन्द्रमा मीन राशि पर प्रातः ६/४५ से, भद्रा दिन ९/२६ से रात्रि ९/० तक, पंचक लगा है
७/७	मंगलवार	सप्तमी दिन ८/३४	उत्तरा भाद्रपद दिन १२/३७	प्रदोषे कालाष्टमी व्रत, पंचक लगा है, रेवती के मूल आरम्भ दिन १२/३६ से, सर्वार्थसिद्धि योग
८/७ 卐	बुधवार	अष्टमी प्रातः ७/१६	रेवती दिन १२/०	श्री शीतला अष्टमी व्रत, चन्द्रमा मेष राशि पर दिन १२/० से, पंचक समाप्त दिन १२/० से, मूल जारी
९/७ 卐	गुरुवार	नवमी/दशमी रा.शे. ३/३५	अश्विनी दिन ११/३	नवमी प्रातः ५/३५ तक, भद्रा दिन ४/३५ से रा.शे. ३/३५ तक, मूल समाप्त दिन ११/३ पर
१०/७	शुक्रवार	एकादशी रात्रि १/२१	भरणी दिन ९/४७	योगिनी एकादशी स्मार्तों की, श्री देवरहा बाबा पुण्य तिथि, चन्द्रमा वृष राशि पर दिन ३/२५ से
११/७	शनिवार	द्वादशी रात्रि १०/५८	कृतिका दिन ८/१९	वैष्णवानाम एकादशी व्रत, सर्वार्थाअमृत सिद्धि योग
१२/७	रविवार	त्रयोदशी रात्रि ८/३०	रोहिणी/मृगशिरा प्रातः ६/४२ रा.शे. ५/१	प्रदोष व्रत, मासशिव रात्रि व्रत, चन्द्रमा मिथुन राशि पर रात्रि ५/५२ से, भद्रा रात्रि ८/३० से
१३/७	सोमवार	चतुर्दशी सायं ६/१	आर्द्रा रात्रि ३/२२	भद्रा प्रातः ७/१६ तक
१४/७	मंगलवार	अमावस्या दिन ३/३७	पुनर्वसु रात्रि १/५१	स्नान-दान व श्राद्ध की भौमवती अमावस्या, चन्द्रमा कर्क राशि पर रात्रि ८/१५ से

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

सं. 2083 आषाढ़ शुक्ल पक्ष (सुदी)

सूर्य दक्षिणायण | सूर्योदय 5/17 | सूर्यास्त 6/43 | ग्रीष्म ऋतु

(ता. 15 जुलाई 2026 से 29 जुलाई 2026 तक)

तारीख	दिन	तिथि समय बजे तक	नक्षत्र समय बजे तक	व्रतोपवास विवरण
१५/७	बुधवार	प्रतिपदा	पुष्य	गुप्त नवरात्र आरम्भ (नोड़ता) मनोरथ द्वितीया (बंगाल)
卐		दिन १/२२	रात्रि १२/३१	गुरु अस्त पश्चिम में, श्लेषा के मूल आरम्भ रात्रि १२/३१ से
१६/७	गुरुवार	द्वितीया	श्लेषा	रथयात्रा श्री रामबलराम रथोत्सव, चन्द्रमा
		दिन ११/२०	रात्रि ११/२६	सिंह राशि पर रात्रि ११/२६ से,मूल जारी
१७/७	शुक्रवार	तृतीया	मघा	श्री गणेश चतुर्थी व्रत, कर्क की संक्रान्ति,
		दिन ९/३९	रात्रि १०/४३	पुण्यकाल प्रातः से, वर्षा ऋतु, मनसा पूजा आरम्भ,
				भद्रा रात्रि ८/५९ से, मूल समाप्त रात्रि १०/४३ पर
१८/७	शनिवार	चतुर्थी	पूर्वा फाल्गुनी	चन्द्रमा कन्या राशि पर रात्रि ४/२४ से,
		दिन ८/१८	रात्रि १०/२२	भद्रा दिन ८/१८ तक गुरु अस्त १५/७/२६ से
१९/७	रविवार	पंचमी	उत्तरा फाल्गुनी	श्री स्कन्ध पंचमी, श्री स्कन्द व कुमार
		प्रातः ७/२२	रात्रि १०/२९	षष्ठी, सर्वार्थसिद्धि योग
२०/७	सोमवार	षष्ठी	हस्त	कर्दम षष्ठी (बंगाल), सूर्य पुष्य नक्षत्र पर
		प्रातः ६/५६	रात्रि ११/६	
२१/७	मंगलवार	सप्तमी	चित्रा	चन्द्रमा तुला राशि पर दिन ११/३३ से, भद्रा प्रातः
卐		प्रातः ६/५९	रात्रि १२/१३	६/५९ से रात्रि ७/१८ तक
२२/७	बुधवार	अष्टमी	स्वाती	खर्चीपूजा (त्रिपुरा)
		प्रातः ७/३७	रात्रि १/५०	
२३/७	गुरुवार	नवमी	विशाखा	श्री दुर्गा नवमी, मेला शरीक भगवती (कश्मीर),
		दिन ८/३९	रात्रि ३/५१	चन्द्रमा वृश्चिक राशि पर रात्रि ९/२१ से
२४/७	शुक्रवार	दशमी	अनुराधा	सोपपदा, भद्रा रात्रि ११/५ से, सर्वार्थसिद्धि योग
卐		दिन १०/१०	समस्त	
२५/७	शनिवार	एकादशी	अनुराधा	श्री विष्णुशयनी एकादशी व्रत सबकी, हरिशयनी
		दिन ११/५८	प्रातः ६/१४	एकादशी, पुनर्यात्रा (उल्टारथ) भद्रा दिन ११/५८
				तक, ज्येष्ठा के मूल आरम्भ प्रातः ६/१४ से
२६/७	रविवार	द्वादशी	ज्येष्ठा	प्रदोष व्रत, चातुर्मास्य व्रत आरम्भ, चन्द्रमा धनु राशि
		दिन १/५९	दिन ८/४९	पर दिन ८/४९ से, मूल जारी, सर्वार्थसिद्धि योग
२७/७	सोमवार	त्रयोदशी	मूल	मेला ज्वाला मुखी (कश्मीर), जया पार्वती व्रतारम्भ
卐		दिन ४/०	दिन ११/२६	(गुजरात), मूल समाप्त दिन ११/२६ पर
२८/७	मंगलवार	चतुर्दशी	पूर्वाषाढ़ा	चौमासी चौदस (जैन) चन्द्रमा मकर राशि पर रात्रि
		सायं ५/५१	दिन १/५५	८/२९ से, भद्रा सायं ५/५१ से
२९/७	बुधवार	पूर्णिमा	उत्तराषाढ़ा	स्नान-दान व व्रत की गुरु पूर्णिमा, गुरु पूजा, बौद्ध धर्म
		रात्रि ७/२३	दिन ४/१०	चक्र प्रवर्तन दिवस, तेरह पंथ स्थापना दिवस,
				भद्रा प्रातः ६/३९ तक

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

सं. 2083 श्रावण कृष्ण पक्ष (बदी)

सूर्य दक्षिणायन | सूर्योदय 5/24 | सूर्यास्त 6/37 | वर्षा ऋतु

(ता. 30 जुलाई 2026 से 12 अगस्त 2026 तक)

तारीख	दिन	तिथि समय बजे तक	नक्षत्र समय बजे तक	व्रतोपवास विवरण
30/७	गुरुवार	प्रतिपदा	श्रवण	पार्थिव शिव पूजन आरम्भ, श्रावण में साग त्याग
卐		रात्रि ८/३५	सायं ६/२	व्रत आरम्भ
३१/७	शुक्रवार	द्वितीया	धनिष्ठा	अशून्यशयन व्रत, चन्द्रमा कुम्भ राशि पर प्रातः ६/४४
		रात्रि ९/१७	रात्रि ७/२६	से, पंचक आरम्भ प्रातः ६/४४ से
१	शनिवार	तृतीया	शतभिषा	भद्रा दिन ९/२४ से रात्रि ९/२८ तक, पंचक लगा है
अगस्त		रात्रि ९/२८	रात्रि ८/२०	
२/८	रविवार	चतुर्थी	पूर्वा भाद्रपद	रविवति संकष्टी श्री गणेश चतुर्थी व्रत, चन्द्रमा मीन
		रात्रि ९/६	रात्रि ८/४२	राशि पर दिन २/३७ से, पंचक लगा है, सर्वार्थसिद्धि योग
३/८	सोमवार	पंचमी	उत्तरा भाद्रपद	नाग पंचमी (बंगाल) श्रावण सोमवार व्रत, मधु
		रात्रि ८/१७	रात्रि ८/४७	श्रावणी व्रतारम्भ (मिथिला) सूर्य श्लेषा नक्षत्र पर,
				पंचक लगा है, रेवती के मूल आरम्भ रात्रि ८/४७ से
४/८	मंगलवार	षष्ठी	रेवती	श्री मंगला गौरी व्रत, केरपूजा (त्रिपुरा), चन्द्रमा मेष
		रात्रि ७/१	रात्रि ८/४	राशि पर रात्रि ८/४ से, पंचक समाप्त रात्रि ८/४ पर
				भद्रा रात्रि ७/१ से, मूल जारी, सर्वार्थसिद्धि योग
५/८	बुधवार	सप्तमी	अश्विनी	श्री शीतला सप्तमी व्रत, भद्रा प्रातः ६/१३ तक,
卐		सायं ५/२४	रात्रि ७/१४	मूल समाप्त रात्रि ७/१४ पर
६/८	गुरुवार	अष्टमी	भरणी	श्री शीतला अष्टमी व्रत, चन्द्रमा वृष राशि पर रात्रि
		दिन ३/२५	सायं ६/०	११/३९ से
७/८	शुक्रवार	नवमी	कृत्तिका	भद्रा रात्रि १२/२ से
卐		दिन १/१३	दिन ४/३५	
८/८	शनिवार	दशमी	रोहिणी	चन्द्रमा मिथुन राशि पर रात्रि २/८ से, भद्रा दिन
卐		दिन १०/५१	दिन २/५८	१०/५१ तक, सर्वार्थामृत सिद्धि योग
९/८	रविवार	एकादशी	मृगशिरा	कामदा एकादशी व्रत सबकी, कामिका एकादशी
卐		दिन ८/२३	दिन १/१९	गुरु उदय १०/८/२६ से
१०/८	सोमवार	द्वादशी/त्रयोदशी	आर्द्रा	द्वादशी प्रातः ५/५६ तक, सोम प्रदोष व्रत, श्रावण
		रा.शे. ३/३२	दिन ११/४०	सोमवार व्रत, चन्द्रमा कर्क राशि पर रा.शे. ४/३० से
				भद्रा रा.शे. ३/३२ से, गुरु उदय पूर्व में
११/८	मंगलवार	चतुर्दशी	पुनर्वसु	मास शिवरात्रिव्रत, श्री मंगला गौरी व्रत,
		रात्रि १/१७	दिन १०/६	भद्रा दिन २/२५ तक
१२/८	बुधवार	अमावस्या	पुष्य	स्नान-दान व श्राद्ध की अमावस्या, हरियाली-चिताऊ
		रात्रि ११/१५	दिन ८/४२	व आड़ि अमावस्या (द.भा.), व्यतिपात योग,
				श्लेषा के मूल आरम्भ दिन ८/४२ से

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

सं. 2083 श्रावण शुक्ल पक्ष (सुदी)

सूर्य दक्षिणायन | सूर्योदय 5/31 | सूर्यास्त 6/29 | वर्षा ऋतु

(ता. 13 अगस्त 2026 से 28 अगस्त 2026 तक)

तारीख	दिन	तिथि समय बजे तक	नक्षत्र समय बजे तक	व्रतोपवास विवरण
१३/८	गुरुवार	प्रतिपदा रात्रि ९/३२	श्लेषा प्रातः ७/३३	श्री विष्णु-शिवात्मक अभिषेक आरम्भ, चन्द्रमा सिंह राशि पर प्रातः ७/३३ से, मूल जारी
१४/८	शुक्रवार	द्वितीया रात्रि ८/११	मघा प्रातः ६/४५	धर्मसम्राट स्वामी करपात्रि जयन्ती, आड़ीपूरम् (द.भा.) मूल समाप्त प्रातः ६/४५ पर
१५/८	शनिवार	तृतीया रात्रि ७/१५	पूर्वा फाल्गुनी प्रातः ६/१९	हरियाली तीज, तीज मेला (जयपुर), स्वतंत्रता दिवस मधुश्रवा, ठकुराईन जयन्ती (पश्चिम), श्रावण का सिन्धारा, चन्द्रमा कन्या राशि पर दिन १२/१९ से
१६/८	रविवार	चतुर्थी रात्रि ६/४७	उत्तरा फाल्गुनी प्रातः ६/१८	श्री गणेश चतुर्थी व्रत, भद्रा प्रातः ७/१ से रात्रि ६/४७ तक, सर्वार्थामृत सिद्धि योग
१७/८ 卐	सोमवार	पंचमी रात्रि ६/५०	हस्त प्रातः ६/४७	श्री नाग पंचमी, तक्षक पूजा, सिंह की संक्रान्ति, मनसा पूजा समाप्त, सूर्य मघा नक्षत्र पर, श्रावण सोमवार व्रत, चन्द्र तुला राशि पर रात्रि ७/१७ से
१८/८	मंगलवार	षष्ठी रात्रि ७/२६	चित्रा प्रातः ७/४८	श्री मंगला गौरी व्रत, स्कन्द षष्ठी व्रत, लुण्ठन षष्ठी (बंगाल), श्री क्लक्यावतार
१९/८	बुधवार	सप्तमी रात्रि ८/२७	स्वाती दिन ९/१७	गोस्वामी तुलसीदास जयन्ती, चन्द्रमा वृश्चिक राशि पर रा.शे. ४/४४ से, भद्रा रात्रि ८/२७ से
२०/८	गुरुवार	अष्टमी रात्रि ९/५८	विशाखा दिन ११/१४	मेला नयना देवी चिन्तपूर्णी (हि.प्र.) भद्रा दिन ९/१३ तक
२१/८	शुक्रवार	नवमी रात्रि ११/४६	अनुराधा दिन १/३१	ज्येष्ठा के मूल आरम्भ दिन १/३१ से, सर्वार्थासिद्धि योग
२२/८	शनिवार	दशमी रात्रि १/४६	ज्येष्ठा दिन ४/२	चन्द्रमा धनु राशि पर दिन ४/२ से, मूल जारी
२३/८ 卐	रविवार	एकादशी रात्रि ३/४९	मूल रात्रि ६/४०	पुत्रदा एकादशी व्रत सबकी, झूलन यात्रा आरम्भ, भद्रा दिन २/४८ से रात्रि ३/४९ तक, मूल समाप्त रात्रि ६/४० पर, सर्वार्थसिद्धि योग
२४/८	सोमवार	द्वादशी समस्त	पूर्वाषाढ़ा रात्रि ९/१३	श्रावण सोमवार व्रत, शाकदान, दामोदर द्वादशी, बुद्ध द्वादशी, चन्द्रमा मकर राशि पर रा.शे. ३/४८ से, श्री श्यामजी की ज्योत
२५/८	मंगलवार	द्वादशी प्रातः ५/४३	उत्तराषाढ़ा रात्रि ११/३१	भौम प्रदोष व्रत ऋणनाशाय, ओणम् प्रथम दिन (द.भा.), मंगला गौरी व्रत
२६/८ 卐	बुधवार	त्रयोदशी प्रातः ७/२१	श्रवण रात्रि १/२८	आखेटक त्रयोदशी (उड़ीसा), ऋग्वेदिनाम उपाकर्म श्रावणी, थिरूओणम् (द.भा.)
२७/८	गुरुवार	चतुर्दशी दिन ८/३३	धनिष्ठा रात्रि ३/०	पूर्णिमा व्रत, हयग्रीव उत्पत्ती, मध्यान्ये ऋषि तर्पण, नरोली पूर्णिमा, ओणम् तृतीय दिन, चन्द्रमा कुम्भ राशि पर दिन २/१५ से, भद्रा दिन ८/३३ से रात्रि ८/५६ तक, पंचक दिन २/१५ से
२८/८ 卐	शुक्रवार	पूर्णिमा दिन ९/१९	शतभिषा रात्रि ४/०	स्नान-दान की पूर्णिमा, रक्षाबंधन (राखी) उपाकर्म श्रावणी संस्कृत दिवस, अमरनाथ यात्रा, पंचक जारी (नोट : राखी सुबह से बंधेगी)

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

सं. 2083 भाद्रपद कृष्ण पक्ष (बदी)

सूर्य दक्षिणायन | सूर्योदय 5/42 | सूर्यास्त 6/18 | वर्षा ऋतु

(ता. 29 अगस्त 2026 से 11 सितम्बर 2026 तक)

तारीख	दिन	तिथि समय बजे तक	नक्षत्र समय बजे तक	व्रतोपवास विवरण
२९/८	शनिवार	प्रतिपदा दिन ९/३२	पूर्वा भाद्रपद रात्रि ४/३०	अशून्यशयन व्रत, चन्द्रमा मीन राशि पर रात्रि १०/२३ से, पंचक लगा है
३०/८	रविवार	द्वितीया दिन ९/१५	उत्तरा भाद्रपद रात्रि ४/३१	विन्ध्याचली भीमचण्डी देवी जयन्ती, कज्जली निमित्य रात जागरण, विशालाक्षी यात्रा, पंचक लगा है, भद्रा रात्रि ८/५२ से, रेवती के मूल आरम्भ रात्रि ४/३१ से, सर्वार्थसिद्धि योग
३१/८	सोमवार	तृतीया दिन ८/२८	रेवती रात्रि ४/४	संकष्टी (बहुला) श्री गणेश चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय रात्रि ८/५ पर, कज्जली (कजरी) गोपूजा, तीजड़ी (सिन्धी), बहुओं का सिंधारा, चन्द्रमा मेष राशि पर रा.शे. ४/४ से, भद्रा दिन ८/२८ तक, मूल जारी, पंचक समाप्त रात्रि ४/४ पर
१ सितम्बर	मंगलवार	चतुर्थी/पंचमी रा.शे. ५/३९	अश्विनी रात्रि ३/१७	चतुर्थी प्रातः ७/१५ तक, रक्षा पंचमी (उड़ीसा), गूगा पांचे, मूल समाप्त रात्रि ३/१७ पर
२/९	बुधवार	षष्ठी रात्रि ३/४४	भरणी रात्रि २/९	हलषष्ठी-ललही छठ, चाना छठ, भद्रा रात्रि ३/४४ से, सर्वार्थसिद्धि योग
३/९ 卐	गुरुवार	सप्तमी रात्रि १/३४	कृत्तिका रात्रि १२/४६	शीतला सप्तमी, वदिथधिड़ी (सिन्धी), शीतला सप्तमी व्रत, चन्द्रमा वृष राशि पर प्रातः ७/५० से, भद्रा दिन २/४० तक
४/९	शुक्रवार	अष्टमी रात्रि ११/१३	रोहिणी रात्रि ११/११	श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रत सबकी, कृष्णावतार रात्रि ११/९ पर, नन्दोत्सव, दुर्वाष्टमी व्रत, संत ज्ञानेश्वर जयन्ती
५/९	शनिवार	नवमी रात्रि ८/४७	मृगशिर रात्रि ९/३२	दधि महोत्सव, गंधर्व नवमी, गुग्गा नवमी, चन्द्रमा मिथुन राशि पर दिन १०/२३ से
६/९	रविवार	दशमी रात्रि ६/१९	आर्द्रा रात्रि ७/५१	भद्रा प्रातः ७/३३ से रात्रि ६/१९ तक
७/९	सोमवार	एकादशी दिन ३/५६	पुनर्वसु सायं ६/१५	जया एकादशी व्रत सबकी, चन्द्रमा कर्क राशि पर दिन १२/४० से, व्यतिपात योग, सर्वार्थसिद्धि योग
८/९ 卐	मंगलवार	द्वादशी दिन १/४२	पुष्य सायं ४/४८	भौम प्रदोष व्रत ऋणनासाय, बछबारस, श्लेषा के मूल आरम्भ सायं ४/४८ से, सर्वार्थसिद्धि योग
९/९	बुधवार	त्रयोदशी दिन ११/४१	श्लेषा दिन ३/३५	मास शिवरात्रिव्रत, अघोर चतुर्दशी, कैलाश मान सरोवर यात्रा आरम्भ (कश्मीर), चन्द्रमा सिंह राशि पर दिन ३/३५ से, भद्रा दिन ११/४१ से रात्रि १०/५० तक, मूल जारी
१०/९	गुरुवार	चतुर्दशी दिन १०/०	मघा दिन २/४३	श्राद्ध की अमावस्या, कुशोत्पाटिनी कुशग्रहणी अमावस्या पिठोरी अमावस्या, सतियों की जात पिठोरी, मेला झुंझुनूं, मूल समाप्त दिन २/४३ पर कैलाश मानसरोवर यात्रा समापन (कश्मीर)
११/९	शुक्रवार	अमावस्या दिन ८/३८	पूर्वा फाल्गुनी दिन २/१०	स्नान-दान की अमावस्या, चन्द्रमा कन्या राशि पर रात्रि ८/८ से

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

सं. 2083 भाद्रपद शुक्ल पक्ष (सुदी)

सूर्य दक्षिणायन | सूर्योदय 5/51 | सूर्यास्त 6/9 | वर्षा ऋतु

(ता. 12 सितम्बर 2026 से 26 सितम्बर 2026 तक)

तारीख	दिन	तिथि समय बजे तक	नक्षत्र समय बजे तक	व्रतोपवास विवरण
१२/९	शनिवार	प्रतिपदा प्रातः ७/४१	उत्तरा फाल्गुनी दिन २/१	
१३/९	रविवार	द्वितीया प्रातः ७/१५	हस्त दिन २/२४	वाराहवतार, भादवा मेला (राज.) तीन दिवसीय, शंकरदेव तिथि (असम), चन्द्रमा तुला राशि पर रात्रि २/५० से
१४/९ 卐	सोमवार	तृतीया प्रातः ७/१८	चित्रा दिन ३/१६	वैनायकी वरद् श्री गणेश चतुर्थी व्रत, हरितालिका तीज, आज चन्द्रमा देखना निषिद्ध है, चन्द्रास्त रात्रि ६/४७ पर, गणेश उत्सव महाराष्ट्र, भद्रा रात्रि ७/३७ से, सूर्य उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र पर
१५/९ 卐	मंगलवार	चतुर्थी प्रातः ७/५४	स्वाती सायं ४/३९	ऋषि पंचमी व्रत, माहेश्वरी रक्षाबन्धन, भद्रा प्रातः ७/५४ तक, सप्त ऋषि पूजा
१६/९	बुधवार	पंचमी दिन ८/५७	विशाखा रात्रि ६/२९	रक्षा पंचमी (बंगाल), चन्द्रमा वृश्चिक राशि पर दिन १२/२ से
१७/९ 卐	गुरुवार	षष्ठी दिन १०/२८	अनुराधा रात्रि ८/४२	श्रीस्कन्द व लोलार्क षष्ठी व्रत, सूर्य षष्ठी व्रत, स्वामी कार्तिकेय दर्शन, कन्या की संक्रान्ति पुण्यकाल दूसरे दिन, शरद् ऋतु, श्री विश्वकर्मा पूजा, सर्वार्थ सिद्धि योग, ज्येष्ठा के मूल आरम्भ रात्रि ८/४२ से
१८/९	शुक्रवार	सप्तमी दिन १२/१६	ज्येष्ठा रात्रि ११/१०	श्री महालक्ष्मी व्रत आरम्भ १६ दिनात्मक, मुक्ताभरण अपराजिता-सन्तान दुबड़ी व शील सप्तमी (जैन) चन्द्रमा धनु राशि पर रात्रि ११/१० से, भद्रा दिन १२/१६ से रात्रि १/१७ तक, मूल जारी,
१९/९	शनिवार	अष्टमी दिन २/१९	मूल रात्रि १/४८	श्री राधा अष्टमी व्रत, मूल समाप्त रात्रि १/४८ पर
२०/९	रविवार	नवमी सायं ४/२३	पूर्वाषाढ़ा रात्रि ४/२२	महानन्दा नवमी व्रत, अदुःख व ताल नवमी (बंगाल) श्री दुर्गाजी की ज्योत, महारविवार (बड़का ईतवार)
२१/९ 卐	सोमवार	दशमी रात्रि ६/१९	उत्तराषाढ़ा समस्त	दशावतार व्रत, रामदेवजी की जात, चन्द्रमा मकर राशि पर दिन १०/५९ से
२२/९	मंगलवार	एकादशी रात्रि ७/५८	उत्तराषाढ़ा प्रातः ६/४५	पद्मा व कर्मा एकादशी व्रत सबकी, दोल ग्यारस (म.प्र.) जलझूलनी (राज.) भद्रा प्रातः ७/९ से रात्रि ७/५८ तक
२३/९ 卐	बुधवार	द्वादशी रात्रि ९/१३	श्रवण दिन ८/४७	श्रवण व वामन द्वादशी, वामन अवतार, श्री श्यामजी की ज्योत, चन्द्रमा कुम्भ राशि पर रात्रि ९/३६ से, पंचक आरम्भ रात्रि ९/३६ से
२४/९	गुरुवार	त्रयोदशी रात्रि १०/३	धनिष्ठा दिन १०/२४	प्रदोष व्रत, पंचक लगा है
२५/९	शुक्रवार	चतुर्दशी रात्रि १०/२०	शतभिषा रात्रि ११/३२	अनन्त चतुर्दशी व्रत, गणपति विसर्जन महाराष्ट्र, चन्द्रमा मीन राशि पर रा.शे. ५/५८ से, भद्रा रात्रि १०/२० से, पंचक लगा है
२६/९	शनिवार	पूर्णिमा रात्रि १०/५	पूर्वा भाद्रपद दिन १२/१०	स्नान-दान व व्रत की पूर्णिमा, नान्दी मातामह श्राद्ध, भद्रा दिन १०/२३ तक, पंचक लगा है

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

सं. 2083 आश्विन कृष्ण पक्ष (बदी)

सूर्य दक्षिणायन | सूर्योदय 6/3 | सूर्यास्त 5/57 | शरद् ऋतु

(ता. 27 सितम्बर 2026 से 10 अक्टूबर 2026 तक)

तारीख	दिन	तिथि समय बजे तक	नक्षत्र समय बजे तक	श्राद्ध पक्ष
२७/९	रविवार	प्रतिपदा रात्रि ९/२१	उत्तरा भाद्रपद दिन १२/१८	महालया आरम्भ, प्रतिपदा का श्राद्ध, श्राद्ध तर्पणादि आरम्भ, सूर्य हस्त नक्षत्र पर, पंचक लगा है, रेवती के मूल आरम्भ दिन १२/१८ से
२८/९	सोमवार	द्वितीया रात्रि ८/११	रेवती दिन ११/५९	द्वितीया का श्राद्ध, अशून्यशयन व्रत, चन्द्रमा मेष राशि पर दिन ११/५९ से, पंचक समाप्त दिन ११/५९ पर, मूल जारी
२९/९ 卐	मंगलवार	तृतीया रात्रि ६/३८	अश्विनी दिन ११/१६	तृतीया का श्राद्ध, श्री गणेश चतुर्थी व्रत, भद्रा प्रातः ७/२६ से रात्रि ६/३८ तक, सर्वार्थामृत सिद्धि योग, मूल समाप्त दिन ११/१६
३०/९	बुधवार	चतुर्थी सायं ४/४४	भरणी दिन १०/१२	चतुर्थी का श्राद्ध, चन्द्रमा वृष राशि पर सायं ३/५२ से, सर्वार्थसिद्धि योग
१ अक्टूबर	गुरुवार	पंचमी दिन २/३६	कृत्तिका दिन ८/५२	पंचमी का श्राद्ध, श्री चन्द्र षष्ठी व्रत
२/१०	शुक्रवार	षष्ठी दिन १२/१९	रोहिणी/मृगशिरा प्रातः ७/२१ रा.शे. ५/४२	षष्ठी का श्राद्ध व सप्तमी का श्राद्ध, महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती, चन्द्रमा मिथुन राशि पर रात्रि ६/३२ से, भद्रा दिन १२/१९ से रात्रि ११/७ तक
३/१०	शनिवार	सप्तमी दिन ९/५४	आर्द्रा रात्रि ४/१	अष्टमी का श्राद्ध, जीवत्पुत्रिका व्रत (जीतिया) श्री महालक्ष्मी व्रत समाप्त
४/१०	रविवार	अष्टमी/नवमी रा.शे. ५/६	पुनर्वसु रात्रि २/२४	अष्टमी प्रातः ७/२८ तक, जीवत्पुत्रिका व्रत पारण प्रातः ७/२८ पर, मातृनवमी, नवमी का श्राद्ध अविधवा नवमी, चन्द्रमा कर्क राशि पर रात्रि ८/४९ से
५/१०	सोमवार	दशमी रात्रि २/५३	पुष्य रात्रि १२/५५	दशमी का श्राद्ध, भद्रा दिन ४/० से रात्रि २/५३ तक सर्वार्थसिद्धि योग, श्लेषा के मूल आरम्भ रात्रि १२/५५ से
६/१०	मंगलवार	एकादशी रात्रि १२/५३	श्लेषा रात्रि ११/३९	इन्दिरा एकादशी व्रत सबकी, एकादशी का श्राद्ध, चन्द्रमा सिंह राशि पर रात्रि ११/३९ से, सर्वासिद्धि योग, मूल जारी
७/१० 卐	बुधवार	द्वादशी रात्रि ११/१२	मघा रात्रि १०/४०	संन्यासी यति वैष्णवानांम द्वादशी का श्राद्ध, मूल समाप्त रात्रि १०/४० पर
८/१०	गुरुवार	त्रयोदशी रात्रि ९/५२	पूर्वा फाल्गुनी रात्रि १०/२	त्रयोदशी का श्राद्ध, प्रदोष व्रत, मासशिवरात्रि व्रत, चन्द्रमा कन्या राशि पर रा.शे. ३/४४ से, भद्रा दिन ९/५२ से
९/१०	शुक्रवार	चतुर्दशी रात्रि ८/५८	उत्तरा फाल्गुनी दिन ९/४८	चतुर्दशी का श्राद्ध, केवल शस्त्रादि हतनाम अद्यैव श्राद्ध भद्रा दिन ९/२६ तक
१०/१०	शनिवार	अमावस्या रात्रि ८/३३	हस्त रात्रि १०/४	स्नान-दान व श्राद्ध की सर्वपैत्री अमावस्या, पितृ विसर्जन, महालया अज्ञाततिथि नाम श्राद्ध

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

सं. 2083 आश्विन शुक्ल पक्ष (सुदी)

सूर्य दक्षिणायन | सूर्योदय 6/13 | सूर्यास्त 5/47 | शरद् ऋतु

(ता. 11 अक्टूबर 2026 से 26 अक्टूबर 2026 तक)

तारीख	दिन	तिथि समय बजे तक	नक्षत्र समय बजे तक	व्रतोपवास विवरण
११/१०	रविवार	प्रतिपदा रात्रि ८/२७	चित्रा रात्रि १०/४९	शारदीय नवरात्र आरम्भ, शैलपुत्री दर्शन, मातामह श्राद्ध, सूर्य चित्रा नक्षत्र पर, महाराज अग्रसेन जयन्ती, चन्द्रमा तुला राशि पर दिन १०/२७ से
१२/१०	सोमवार	द्वितीया रात्रि ९/१५	स्वाती रात्रि १२/५	ब्रह्मचारिणी देवी दर्शन
१३/१०	मंगलवार	तृतीया रात्रि १०/१९	विशाखा रात्रि १/४७	चित्रघंटा देवी दर्शन, चन्द्रमा वृश्चिक राशि पर रात्रि ७/२३ से (शुक्रास्त १४/१०/२६)
१४/१०	बुधवार	चतुर्थी रात्रि ११/५१	अनुराधा रात्रि ३/५५	श्री गणेश चतुर्थी व्रत, कुष्माण्डा देवी दर्शन, शुक्रास्त रात्रि १२/१९ से, भद्रा दिन ११/६ से रात्रि ११/५१ तक, ज्येष्ठा के मूल आरम्भ रात्रि ३/५५ से, सर्वार्थअमृत सिद्धि योग
१५/१०	गुरुवार	पंचमी रात्रि १/४३	ज्येष्ठा समस्त	उपाङ्ग ललिता व्रत (महाराष्ट्र), नट पंचमी (उड़ीसा) स्कन्द माता दर्शन, मूल जारी
१६/१० 卐	शुक्रवार	षष्ठी रात्रि ३/४८	ज्येष्ठा प्रातः ६/२२	स्कन्ध षष्ठी व्रत, कात्यायनी देवी दर्शन, देवी आगमन डोली-कष्ट, दुर्गा षष्ठी तपःषष्ठी व्रत, चन्द्रमा धनु राशि पर प्रातः ६/२२ से, मूल जारी
१७/१० 卐	शनिवार	सप्तमी रात्रि ५/५४	मूल दिन ८/५८	दुर्गा सप्तमी व्रत, सरस्वती पूजा, श्री भवानी अन्नपूर्णा परिक्रमा, भद्रा रा.शे. ५/५४ से, मूल समाप्त दिन ८/५८ पर
१८/१०	रविवार	अष्टमी समस्त	पूर्वाषाढ़ा दिन ११/३३	महाष्टमी व्रत, दुर्गा अष्टमी, महानिशा पूजा, अन्नपूर्णा परिक्रमा, महागौरी दर्शन, तुला की संक्रान्ति, चन्द्रमा मकर राशि पर रात्रि ६/० से, भद्रा रात्रि ६/५४ तक
१९/१० 卐	सोमवार	अष्टमी प्रातः ६/५३	उत्तराषाढ़ा दिन २/०	महानवमी व दुर्गा नवमी व्रत सबकी, श्री दुर्गाजी की ज्योत, भवानी अन्नपूर्णा परिक्रमा, सिद्धिदात्री देवी दर्शन, सर्वार्थसिद्धि योग
२०/१०	मंगलवार	नवमी दिन ९/३४	श्रवण दिन ४/९	नवरात्र व्रत पारण, विजया दशमी (दशहरा) नीलकंठ दर्शन, विजय यात्रा, दुर्गा विसर्जन, चन्द्रमा कुम्भ राशि पर रा.शे. ५/० से, पंचक आरम्भ रा.शे. ५/० से
२१/१०	बुधवार	दशमी दिन १०/५०	धनिष्ठा रात्रि ५/५०	जगद्गुरु माधवाचार्य जयन्ती, सोपपदा, साईबाबा पुण्यतिथि, भद्रा रात्रि ११/१६ से, पंचक लगा है
२२/१० 卐	गुरुवार	एकादशी दिन ११/४१	शतभिषा रात्रि ७/७	पापाङ्कुशा एकादशी व्रत सबकी, भरत मिलाप, भद्रा दिन ११/४१ तक, पंचक लगा है
२३/१०	शुक्रवार	द्वादशी दिन १२/०	पूर्वा भाद्रपद रात्रि ७/५३	प्रदोष व्रत, पद्मनाभ द्वादशी व्रत, श्री श्यामजी की ज्योत, चन्द्रमा मीन राशि पर दिन १/४२ से, पंचक जारी
२४/१०	शनिवार	त्रयोदशी दिन ११/४७	उत्तरा भाद्रपद रात्रि ८/८	सूर्य स्वाती नक्षत्र पर, पंचक लगा है, रेवती के मूल आरम्भ रात्रि ८/८ से
२५/१०	रविवार	चतुर्दशी दिन ११/५	रेवती रात्रि ७/५४	पूर्णिमा व्रत, शरद् पूर्णिमा, कोजागरी, चन्द्रमा मेष राशि पर रात्रि ७/५४ से, भद्रा दिन ११/५ से रात्रि १०/३१ तक, पंचक समाप्त रात्रि ७/५७ से
२६/१० 卐	सोमवार	पूर्णिमा दिन ९/५७	अश्विनी रात्रि ७/१६	स्नान-दान की पूर्णिमा, महर्षि बाल्मीकी जयन्ती, मीराबाई व महर्षि पाराशर जयन्ती, मूल समाप्त रात्रि ७/१६ पर

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

सं. 2083 कार्तिक कृष्ण पक्ष (बदी)

सूर्य दक्षिणायन | सूर्योदय 6/25 | सूर्यास्त 5/35 | शरद् ऋतु

(ता. 27 अक्टूबर 2026 से 9 नवम्बर 2026 तक)

तारीख	दिन	तिथि समय बजे तक	नक्षत्र समय बजे तक	व्रतोपवास विवरण
२७/१०	मंगलवार	प्रतिपदा प्रातः ८/२७	भरणी रात्रि ६/१८	अशून्यशयन व्रत, दाल त्याग व्रत आरम्भ, कार्तिक मासे दीपदान आरम्भ, चन्द्रमा वृष राशि पर रात्रि ११/५९ से
२८/१०	बुधवार	द्वितीया/तृतीया रा.शे. ४/२७	कृत्तिका सायं ५/१	द्वितीया प्रातः ६/३५ तक, शुक्रोदय पूर्वे, भद्रा सायं ५/३१ से, रा.शे. ४/२७ तक, सर्वार्थसिद्धि योग
२९/१०	गुरुवार	चतुर्थी रात्रि २/११	रोहिणी दिन ३/३३	करक (करवा चौथ) श्री गणेश चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय रात्रि ७/५७ से, दशरथ चतुर्थी व्रत (बंगाल), चन्द्रमा मिथुन राशि पर रात्रि २/२८ से
३०/१० 卐	शुक्रवार	पंचमी रात्रि ११/४९	मृगशिरा दिन १/५५	शुक्रोदय २८/१०/२६
३१/१०	शनिवार	षष्ठी रात्रि ९/२५	आर्द्रा दिन १२/१४	श्री स्कन्द षष्ठी व्रत, कोकिला व अशोक षष्ठी (मिथिला) चन्द्रमा कर्क राशि पर रात्रि ५/० से, भद्रा रात्रि ९/२५ से
१ 卐 नवम्बर	रविवार	सप्तमी रात्रि ७/६	पुनर्वसु दिन १०/३६	अहोई अष्टमी व्रत, चन्द्रोदय रात्रि ११/१८ पर, भद्रा प्रातः ८/१६ पर
२/११	सोमवार	अष्टमी सायं ४/५५	पुष्य दिन ९/४	श्री राधा अष्टमी, कराष्टमी (महाराष्ट्र), श्लेषा के मूल आरम्भ दिन ९/५ से, सर्वार्थसिद्धि योग
३/११	मंगलवार	नवमी दिन २/५६	श्लेषा प्रातः ७/४३	चन्द्रमा सिंह राशि पर प्रातः ७/४३ से, भद्रा रात्रि २/६ से, मूल जारी, सर्वार्थसिद्धि योग
४/११	बुधवार	दशमी दिन १/१८	मघा/पू.फा. प्रातः ६/४० रा.शे. ५/५५	भद्रा दिन १/१८ तक, मूल समाप्त प्रातः ६/४० पर
५/११ 卐	गुरुवार	एकादशी दिन ११/५८	उत्तरा फाल्गुनी रात्रि ५/३५	रम्भा एकादशी व्रत सबकी, गोवत्स द्वादशी, चन्द्रमा कन्या राशि पर रात्रि ११/५१ से
६/११	शुक्रवार	द्वादशी दिन ११/७	हस्त रात्रि ५/४३	प्रदोष व्रत, धन त्रयोदशी, धनतेरस, यम दीपदानम्
७/११	शनिवार	त्रयोदशी दिन १०/४४	चित्रा रात्रि ६/२१	मासशिवरात्रि व्रत, धनवन्तरी जयन्ती, कामेश्वरी जयन्ती, नरक चतुर्दशी, छोटी दीपावली, सूर्य विशाखा नक्षत्र पर, चन्द्रमा तुला राशि पर रात्रि ६/३ से, भद्रा दिन १०/४४ से रात्रि १०/४८ तक
८/११	रविवार	चतुर्दशी दिन १०/५१	स्वाती समस्त	दीपावली, श्री लक्ष्मी कुबेर पूजा, महा काली पूजा, शेषरात्रि दारिद्रानिस्सारण
९/११	सोमवार	अमावस्या दिन ११/३२	स्वाती प्रातः ७/२९	स्नान-दान व श्राद्ध की सोमवती अमावस्या, अन्नकूट महावीर निर्वाण दिवस (जैन), चन्द्रमा वृश्चिक राशि पर रात्रि २/४१ से

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

सं. 2083 कार्तिक शुक्ल पक्ष (सुदी)

सूर्य दक्षिणायन | सूर्योदय 6/34 | सूर्यास्त 5/26 | शरद ऋतु

(ता. 10 नवम्बर 2026 से 24 नवम्बर 2026 तक)

तारीख	दिन	तिथि समय बजे तक	नक्षत्र समय बजे तक	व्रतोपवास विवरण
१०/११	मंगलवार	प्रतिपदा दिन १२/३८	विशाखा दिन ९/५	गोवर्द्धन पूजा, भातृ द्वितीया, भइया दूज, यम द्वितीया मत्स्याधार (दवात) पूजा, श्री कालीदास जयन्ती
११/११	बुधवार	द्वितीया दिन २/१३	अनुराधा दिन ११/७	ज्येष्ठा के मूल आरम्भ दिन ११/७ से, सर्वार्थअमृत सिद्धि योग
१२/११ 卐	गुरुवार	तृतीया सायं ४/७	ज्येष्ठा दिन १/२९	चन्द्रमा धनु राशि पर दिन १/२९ से, भद्रा रा.शे. ५/११ से, मूल जारी
१३/११	शुक्रवार	चतुर्थी रात्रि ६/१३	मूल दिन ४/२	श्री गणेश चतुर्थी व्रत, श्री सूर्य षष्ठी व्रत आरम्भ, भद्रा रात्रि ६/१३ तक, मूल समाप्त दिन ४/२ तक
१४/११	शनिवार	पंचमी रात्रि ८/२२	पूर्वाषाढा रात्रि ६/४०	श्री सूर्य षष्ठी व्रत द्वितीय दिन, ज्ञान पंचमी जैन,
१५/११ 卐	रविवार	षष्ठी रात्रि १०/२१	उत्तराषाढ़ा रात्रि ९/८	स्कन्द षष्ठी व्रत, सूर्य षष्ठी व्रत सायंकालीन अर्घ, डाला छठ, चन्द्रमा मकर राशि पर रात्रि १/१७ से
१६/११ 卐	सोमवार	सप्तमी रात्रि १२/५	श्रवण रात्रि ११/२१	सूर्य षष्ठी व्रत प्रातःकालीन अर्घ, षष्ठी व्रत पारण, भद्रा रात्रि १२/५ से, सर्वार्थसिद्धि योग
१७/११	मंगलवार	अष्टमी रात्रि १/२१	धनिष्ठा रात्रि १/१०	गोपाष्टमी गोपूजा, कार्तिक पूजा (बंगाल), वृश्चिक की संक्रन्ति पुण्यकाल प्रातः, हेमन्त ऋतु, चन्द्रमा कुम्भ राशि दिन १२/१६ से, भद्रा दिन १२/४३ तक, पंचक आरम्भ दिन १२/१७ से
१८/११	बुधवार	नवमी रात्रि २/१३	शतभिषा रात्रि २/३४	अक्षय नवमी, आंवला नवमी, रत्नगर्भ कूष्माण्ड दान श्री जगद्धात्री पूजा (बंगाल) श्री दुर्गाजी की ज्योत, पंचक
१९/११	गुरुवार	दशमी रात्रि २/३०	पूर्वा भाद्रपद रात्रि ३/२६	श्रीकृष्ण विजयोत्सव, चन्द्रमा मीन राशि पर रात्रि ९/१३ से, पंचक लगा है
२०/११	शुक्रवार	एकादशी रात्रि २/१८	उत्तरा भाद्रपद रात्रि ३/४९	प्रबोधिनी एकादशी व्रत सबकी, तुलसी विवाह, सूर्य अनुराधा नक्षत्र पर, पंचक लगा है, रेवती के मूल आरम्भ रात्रि ३/४९ से, भद्रा दिन २/२५ से रात्रि २/१८ तक, सर्वार्थसिद्धि योग
२१/११ 卐	शनिवार	द्वादशी रात्रि १/३६	रेवती रात्रि ३/४१	चातुर्मास्य व्रत समाप्ति, नारायण वृन्दावन व गरुड़ द्वादशी, पंचक समाप्त रात्रि ३/४१ पर, मूल जारी, चन्द्रमा मेष राशि पर रात्रि ३/३१ से, श्यामजी ज्योत
२२/११	रविवार	त्रयोदशी रात्रि १२/२९	अश्विनी रात्रि ३/९	प्रदोष व्रत, पाषाण चतुर्दशी (उड़ीसा), मूल समाप्त रात्रि ३/९ पर, सर्वार्थसिद्धि योग, व्यतिपात योग
२३/११	सोमवार	चतुर्दशी रात्रि १०/५९	भरणी रात्रि २/१६	श्री काशी विश्वनाथ प्रतिष्ठा दिन, श्री वैकुण्ठ चतुर्दशी रासयात्रा, चौमासी चौदस, भद्रा रात्रि १०/५९ से
२४/११	मंगलवार	पूर्णिमा रात्रि ९/८	कृत्तिका रात्रि १/३	स्नान-दान व व्रत की कार्तिक पूर्णिमा, कार्तिकेय दर्शन गुरु नारायण देव जयन्ती, त्रिपुरोत्सव, काशी में देव दीपावली, गुरुनानक देव जयन्ती, चन्द्रमा वृष राशि पर प्रातः ७/५९ से, भद्रा दिन १०/४ तक

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

सं. 2083 मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष (बदी)

सूर्य दक्षिणायन | सूर्योदय 6/41 | सूर्यास्त 5/19 | हेमन्त ऋतु

(ता. 25 नवम्बर 2026 से 8 दिसम्बर 2026 तक)

तारीख	दिन	तिथि समय बजे तक	नक्षत्र समय बजे तक	व्रतोपवास विवरण
२५/११	बुधवार	प्रतिपदा	रोहिणी	सर्वार्थसिद्धि योग
卐		रात्रि ७/२	रात्रि ११/३६	
२६/११	गुरुवार	द्वितीया	मृगशिरा	चन्द्रमा मिथुन राशि पर दिन १०/४९ से,
卐		सायं ४/४७	रात्रि १०/०	भद्रा रात्रि ३/३७ से
२७/११	शुक्रवार	तृतीया	आर्द्रा	श्री गणेश चतुर्थी व्रत, भद्रा दिन २/२६
		दिन २/२६	रात्रि ८/२०	तक, सर्वार्थसिद्धि योग
२८/११	शनिवार	चतुर्थी	पुनर्वसु	चन्द्रमा कर्क राशि पर दिन १/५ से
卐		दिन १२/३	रात्रि ६/४०	
२९/११	रविवार	पंचमी	पुष्य	रविपुष्य योग, श्लेषा के मूल आरम्भ सायं ५/६ से,
卐		दिन ९/४६	सायं ५/६	सर्वार्थसिद्धि योग
३०/११	सोमवार	षष्ठी/सप्तमी	श्लेषा	षष्ठी प्रातः ६/३७ तक, चन्द्रमा सिंह राशि पर दिन
		रा.शे. ५/४०	दिन ३/४२	३/४२ से, भद्रा प्रातः ६/३७ से रात्रि ६/३९ तक,
				मूल जारी
१	मंगलवार	अष्टमी	मघा	श्री भैरवाष्टमी व्रत, श्री भैरव उत्पत्ति,
दिसम्बर		रात्रि ४/४	दिन २/३४	मूल समाप्त दिन २/३४ पर
२/१२	बुधवार	नवमी	पूर्वा फाल्गुनी	काञ्जी अनला नवमी (उड़ीसा), श्री राणीसती
		रात्रि २/४८	दिन १/४५	जन्मोत्सव, चन्द्रमा कन्या राशि पर रात्रि ७/३९ से
३/१२	गुरुवार	दशमी	उत्तरा फाल्गुनी	सूर्य ज्येष्ठा नक्षत्र पर, भद्रा दिन २/४४ से रात्रि
卐		रात्रि १/५८	रात्रि १/१८	१/५८ तक
४/१२	शुक्रवार	एकादशी	हस्त	उत्पन्ना एकादशी व्रत सबकी, चन्द्रमा तुला राशि
		रात्रि १/३८	दिन १/१९	पर रात्रि १/३३ से
५/१२	शनिवार	द्वादशी	चित्रा	सर्वार्थसिद्धि योग
卐		रात्रि १/४९	दिन १/४७	
६/१२	रविवार	त्रयोदशी	स्वाती	प्रदोष व्रत, भद्रा रात्रि २/३३ से
		रात्रि २/३३	दिन २/४८	
७/१२	सोमवार	चतुर्दशी	विशाखा	मास शिवरात्रि व्रत, मेला पुरमण्डल (जम्मू), चन्द्रमा
		रात्रि ३/४२	सायं ४/१७	वृश्चिक राशि पर दिन १/५५ से, भद्रा दिन ३/८ तक
८/१२	मंगलवार	अमावस्या	अनुराधा	स्नान-दान व श्राद्ध की भौमवती अमावस्या,
		रात्रि ५/२२	रात्रि ६/१४	ज्येष्ठा के मूल आरम्भ रात्रि ६/१४ से

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

सं. 2083 मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष (सुदी)

सूर्य दक्षिणायन | सूर्योदय 6/46 | सूर्यास्त 5/14 | हेमन्त ऋतु

(ता. 9 दिसम्बर 2026 से 24 दिसम्बर 2026 तक)

तारीख	दिन	तिथि समय बजे तक	नक्षत्र समय बजे तक	व्रतोपवास विवरण
९/१२	बुधवार	प्रतिपदा समस्त	ज्येष्ठा रात्रि ८/३१	चन्द्रमा धनु राशि पर रात्रि ८/३१ से, रुद्रवत (पीड़ीया), मूल जारी
१०/१२ 卐	गुरुवार	प्रतिपदा प्रातः ७/१८	मूल रात्रि ११/२	मूल समाप्त रात्रि ११/२ पर
११/१२	शुक्रवार	द्वितीया दिन ९/२७	पूर्वाषाढ़ा रात्रि १/३९	
१२/१२ 卐	शनिवार	तृतीया दिन ११/३७	उत्तराषाढ़ा रात्रि ४/१०	चन्द्रमा मकर राशि पर प्रातः ८/१७ से, भद्रा रात्रि १२/३७ से, सर्वार्थसिद्धि योग
१३/१२ 卐	रविवार	चतुर्थी दिन १/३८	श्रवण रात्रि ६/२८	श्री गणेश चतुर्थी व्रत, भद्रा दिन १/३८ तक
१४/१२	सोमवार	पंचमी दिन ३/२१	धनिष्ठा समस्त	श्री राम विवाह महोत्सव, द्वितीया नाग पंचमी, गुरु तेगबहादुर शहीद दिवस, चन्द्रमा कुम्भ राशि पर रात्रि ७/२६ से, पंचक आरम्भ रात्रि ७/२६ से
१५/१२	मंगलवार	षष्ठी सायं ४/३७	धनिष्ठा प्रातः ८/२४	श्री स्कन्द षष्ठी व्रत, चम्पक षष्ठी व्रत (महाराष्ट्र), मूलक रुपिणी षष्ठी, पंचक लगा है
१६/१२ 卐	बुधवार	सप्तमी रात्रि ५/२८	शतभिषा दिन ९/५३	मित्र सूर्य सप्तमी व्रत, धनु की संक्रान्ति पुण्यकाल दूसरे दिन, खरमास आरम्भ, सूर्य मूल नक्षत्र पर, चन्द्रमा मीन राशि पर रात्रि ४/३९ से, भद्रा रात्रि ५/२८ से रा.शे. ५/३७ तक, पंचक लगा है
१७/१२	गुरुवार	अष्टमी रात्रि ५/४६	पूर्वा भाद्रपद दिन १०/५४	पंचक लगा है — खरमास आरम्भ १६/१२/२६
१८/१२	शुक्रवार	नवमी रात्रि ५/३१	उत्तरा भाद्रपद दिन ११/२२	महानन्दा नवमी व्रत, रेवती के मूल आरम्भ दिन ११/२२ से, श्री दुर्गा जी की ज्योत, पंचक लगा है, सर्वार्थ सिद्धि योग,
१९/१२ 卐	शनिवार	दशमी सायं ४/४९	रेवती दिन ११/२३	चन्द्रमा मेष राशि पर दिन ११/२३ से, भद्रा रात्रि ४/१५ से, पंचक समाप्त दिन ११/२३ पर, मूल जारी
२०/१२	रविवार	एकादशी दिन ३/४०	अश्विनी दिन १०/२६	मोक्षदा एकादशी व्रत सबकी, गीता जयन्ती, वैकुण्ठ व मौनी एकादशी (जैन), भद्रा दिन ३/४० तक, मूल समाप्त दिन १०/२६ पर, सर्वार्थसिद्धि योग
२१/१२ 卐	सोमवार	द्वादशी दिन २/८	भरणी दिन १०/८	सोम प्रदोष व्रत पुत्रलाभाय, मत्स्य अखण्ड व व्यंजन द्वादशी, चन्द्रमा वृष राशि पर दिन ३/५३ से, श्यामजी की ज्योत
२२/१२	मंगलवार	त्रयोदशी दिन १२/१६	कृत्तिका प्रातः ९/०	काशी में पिशाच मोचन यात्रा, कपर्दीश्वर दर्शन, पाषाण चतुर्दशी (बंगाल), सर्वार्थसिद्धि योग
२३/१२	बुधवार	चतुर्दशी दिन १०/१०	रोहिणी/मृगशिर प्रातः ७/३६ रा.शे. ६/२	व्रत की पूर्णिमा, श्री दत्तात्रेय जयन्ती, षोड़शी त्रिपुर सुन्दरी जयन्ती, चन्द्रमा मिथुन राशि पर रात्रि ६/४९ से, भद्रा दिन १०/१० से रात्रि ९/३ तक
२४/१२	गुरुवार	पूर्णिमा/प्रतिपदा रा.शे. ५/३४	आर्द्रा रात्रि ४/२३	पूर्णिमा प्रातः ७/५५ तक, स्नान-दान की पूर्णिमा, हुर्थी प्रारम्भ (कुर्ग)

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

सं. 2083 पौष कृष्ण पक्ष (बदी)

सूर्य दक्षिणायन | सूर्योदय 6/47 | सूर्यास्त 5/13 | हेमन्त ऋतु

(ता. 25 दिसम्बर 2026 से 7 जनवरी 2027 तक)

तारीख	दिन	तिथि समय बजे तक	नक्षत्र समय बजे तक	व्रतोपवास विवरण
२५/१२	शुक्रवार	द्वितीया रात्रि ३/१२	पुनर्वसु रात्रि २/४३	हुर्थी समापन, चन्द्रमा कर्क पर रात्रि ९/८ से, सर्वार्थसिद्धि योग, क्रिसमस, बड़ा दिन
२६/१२	शनिवार	तृतीया रात्रि १२/५५	पुष्य रात्रि १/७	जोर मेला आरम्भ (पंजाब) तीन दिवसीय, भद्रा दिन २/४ से रात्रि १२/५५ तक, श्लेषा के मूल आरम्भ रात्रि १/७ से
२७/१२	रविवार	चतुर्थी रात्रि १०/४८	श्लेषा रात्रि ११/४१	श्री गणेश चतुर्थी व्रत, चन्द्रमा सिंह राशि पर रात्रि ११/४१ से, मूल जारी
२८/१२	सोमवार	पंचमी रात्रि ८/५३	मघा रात्रि १०/२८	जोर मेला समाप्त (पंजाब), मूल समाप्त रात्रि १०/२८ पर
२९/१२	मंगलवार	षष्ठी रात्रि ७/१९	पूर्वा फाल्गुनी रात्रि ९/३६	सूर्य पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र पर, चन्द्रमा कन्या राशि पर रात्रि ३/३८ से, भद्रा रात्रि ७/१९ से रा.शे. ६/४३ तक
३०/१२	बुधवार	सप्तमी रात्रि ६/६	उत्तरा फाल्गुनी रात्रि ९/४	सर्वार्थसिद्धि योग
३१/१२	गुरुवार	अष्टमी रात्रि ५/१९	हस्त रात्रि ८/५८	कालाष्टमी, पूपाष्टक
१ जनवरी	शुक्रवार	नवमी सायं ५/०	चित्रा रात्रि ९/१९	ईस्वी नव वर्ष सन् २०२७ आरम्भ, चन्द्रमा तुला राशि पर दिन ९/८ से, भद्रा रा.शे. ५/७ से
२/१	शनिवार	दशमी सायं ५/१३	स्वाती रात्रि १०/१२	पौष दशमी (जैन), भद्रा सायं ५/१३ तक, सर्वार्थसिद्धि योग
३/१	रविवार	एकादशी रात्रि ५/५९	विशाखा रात्रि ११/३६	सफला एकादशी व्रत सबकी, श्री पार्श्वनाथ जयन्ती (जैन), चन्द्रमा वृश्चिक राशि पर सायं ५/१६ से
४/१	सोमवार	द्वादशी रात्रि ७/१२	अनुराधा रात्रि १/२७	ज्येष्ठा के मूल आरम्भ रात्रि १/२७ से, सर्वार्थसिद्धि योग
५/१	मंगलवार	त्रयोदशी रात्रि ८/५३	ज्येष्ठा रात्रि ३/४०	भौम प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि व्रत, गुरु गोविन्द सिंह जयन्ती (नवीनमत), चन्द्रमा धनु राशि पर रात्रि ३/४० से, भद्रा रात्रि ८/५३ से, मूल जारी
६/१	बुधवार	चतुर्दशी रात्रि १०/५०	मूल रात्रि ६/९	भद्रा दिन ९/५२ तक
७/१	गुरुवार	अमावस्या रात्रि १/०	पूर्वाषाढ़ा समस्त	स्नान-दान व श्राद्ध की अमावस्या, बकुला अमावस्या (उड़ीसा), कालबा देवी यात्रा (मुम्बई)

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

सं. 2083 पौष शुक्ल पक्ष (सुदी)

सूर्य दक्षिणायन | सूर्योदय 6/45 | सूर्यास्त 5/15 | हेमन्त ऋतु

(ता. 8 जनवरी 2027 से 22 जनवरी 2027 तक)

तारीख	दिन	तिथि समय बजे तक	नक्षत्र समय बजे तक	व्रतोपवास विवरण
८/१	शुक्रवार	प्रतिपदा रात्रि ३/१०	पूर्वाषाढ़ा प्रातः ७/४६	चन्द्रमा मकर राशि पर दिन १०/३७ से
९/१	शनिवार	द्वितीया रात्रि ५/९	उत्तराषाढ़ा दिन ११/१९	सर्वार्थसिद्धि योग
१०/१	रविवार	तृतीया समस्त	श्रवण दिन १/४१	चन्द्रमा कुम्भ राशि पर रात्रि २/४२ से, पंचक आरम्भ रात्रि २/४२ से
११/१	सोमवार	तृतीया प्रातः ६/५१	धनिष्ठा सायं ३/४३	श्री गणेश चतुर्थी व्रत, सूर्य उत्तराषाढ़ा नक्षत्र पर, पंचक लगा है, भद्रा रात्रि ७/२८ से
१२/१	मंगलवार	चतुर्थी प्रातः ८/४	शतभिषा रात्रि ५/१८	राष्ट्रीय युवा दिवस, स्वामी विवेकानन्द जयन्ती, व्यतिपात योग, पंचक लगा है
१३/१	बुधवार	पंचमी प्रातः ८/५३	पूर्वा भाद्रपद रात्रि ६/२५	चन्द्रमा मीन राशि पर दिन १२/९ से, पंचक लगा है
१४/१	गुरुवार	षष्ठी दिन ९/७	उत्तरा भाद्रपद रात्रि ७/३	श्री स्कन्द षष्ठी व्रत, अन्नरूपा षष्ठी व्रत (बंगाल) लोहड़ी (पंजाब), भोगी (द.भा.), मकर की संक्रान्ति पुण्यकाल दूसरे दिन, पंचक लगा है, रेवती के मूल आरम्भ रात्रि ७/३ से
१५/१	शुक्रवार	सप्तमी प्रातः ८/५१	रेवती रात्रि ७/९	गुरु गोविन्द सिंह जयन्ती, पोंगल, मकरादि (बंगाल) मघा बिहू (असम), खरमास समाप्त, गंगासागर मेला चन्द्रमा मेष राशि पर रात्रि ७/९ से, खिचड़ी, भद्रा प्रातः ८/५१ से रात्रि ८/२९ तक, मूल जारी, पंचक समाप्त रात्रि ७/९ पर
१६/१	शनिवार	अष्टमी प्रातः ८/६	अश्विनी रात्रि ६/४९	तैपोंगल (द.भा.) मूल समाप्त रात्रि ६/४९ पर
१७/१	रविवार	नवमी/दशमी रा.शे. ५/२१	भरणी रात्रि ६/४	नवमी प्रातः ६/५४ तक, साम्ब दशमी (उड़ीसा), सूर्य पूजा (उड़ीसा), चन्द्रमा वृष राशि पर रात्रि ११/४९ से
१८/१	सोमवार	एकादशी रात्रि ३/२८	कृत्तिका सायं ५/०	पुत्रदा एकादशी व्रत स्मार्तानाम, भद्रा दिन ४/२५ से, रात्रि ३/२८ तक, सर्वार्थसिद्धि योग
१९/१	मंगलवार	द्वादशी रात्रि १/२१	रोहिणी दिन ३/४०	वैष्णवानाम एकादशी व्रत, कूर्म द्वादशी, चन्द्रमा मिथुन राशि पर रात्रि २/५५ से
२०/१	बुधवार	त्रयोदशी रात्रि ११/४	मृगशिर दिन २/७	प्रदोष व्रत, सर्वार्थसिद्धि योग
२१/१	गुरुवार	चतुर्दशी रात्रि ८/४३	आर्द्रा दिन १२/२९	सूर्य अभिजित नक्षत्र पर, हेमूकलाणी शहीद दिवस, चन्द्रमा कर्क राशि पर रा.शे. ५/१४ से, भद्रा रात्रि ८/४३ से
२२/१	शुक्रवार	पूर्णिमा रात्रि ६/२१	पुनर्वसु दिन १०/४८	स्नान-दान व व्रत की पूर्णिमा, सर्वार्थसिद्धि योग भद्रा प्रातः ७/३२ तक

खरमास समाप्त १५/१/२७

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

सं. 2083 माघ कृष्ण पक्ष (बदी)

सूर्य उत्तरायण | सूर्योदय 6/39 | सूर्यास्त 5/21 | शिशिर ऋतु

(ता. 23 जनवरी 2027 से 6 फरवरी 2027 तक)

तारीख	दिन	तिथि समय बजे तक	नक्षत्र समय बजे तक	व्रतोपवास विवरण
२३/१	शनिवार	प्रतिपदा दिन ४/५	पुष्य दिन ९/११	माघ स्नान व्रत यम-नियम आरम्भ, प्रयाग मेला आरम्भ, सुभाषचन्द्र बोस जयन्ती, माघ में मूली त्याग, श्लेषा के मूल आरम्भ दिन ९/११ से
२४/१	रविवार	द्वितीया दिन १/२८	श्लेषा/मघा प्रातः ७/४१ रा.शे. ६/२५	सूर्य श्रवण नक्षत्र पर, चन्द्रमा सिंह राशि पर प्रातः ७/४१ से, भद्रा रात्रि १/२ से, मूल समाप्त रा.शे. ६/२४ पर
२५/१ 卐	सोमवार	तृतीया दिन १२/६	पूर्वा फाल्गुनी रात्रि ५/२९	संकष्टी श्री गणेश चतुर्थी व्रत, माही चौथ, चन्द्रोदय रात्रि ८/४८ पर, भद्रा दिन १२/६ तक
२६/१	मंगलवार	चतुर्थी दिन १०/३३	उत्तरा फाल्गुनी रात्रि ४/५०	चन्द्रमा कन्या राशि पर दिन ११/१९ से भारतीय गणतंत्र दिवस ध्वजोत्तोलन
२७/१	बुधवार	पंचमी दिन ९/२२	हस्त रात्रि ४/३७	सर्वार्थसिद्धि योग
२८/१ 卐	गुरुवार	षष्ठी प्रातः ८/३७	चित्रा रात्रि ४/५३	चन्द्रमा तुला राशि पर दिन ४/४६ से, भद्रा प्रातः ८/३७ से रात्रि ८/३० तक
२९/१ 卐	शुक्रवार	सप्तमी प्रातः ८/२२	स्वाती रात्रि ५/३९	कालाष्टमी, स्वामी विवेकानन्द जयन्ती (तिथिमत)
३०/१	शनिवार	अष्टमी प्रातः ८/३८	विशाखा समस्त	चन्द्रमा वृश्चिक राशि पर रात्रि १२/३७ से
३१/१ 卐	रविवार	नवमी दिन ९/२७	विशाखा प्रातः ६/५६	भद्रा रात्रि ७/१८ से
१ 卐 फरवरी	सोमवार	दशमी दिन १०/४२	अनुराधा प्रातः ८/४०	भद्रा दिन १०/४२ तक, ज्येष्ठा के मूल आरम्भ प्रातः ८/४० से, सर्वार्थसिद्धि योग
२/२	मंगलवार	एकादशी दिन १२/२३	ज्येष्ठा दिन १०/४९	षट्तिला एकादशी व्रत सबकी, चन्द्रमा धनु राशि पर दिन १०/४९ से, मूल जारी
३/२ 卐	बुधवार	द्वादशी दिन २/२२	मूल दिन १/१४	प्रदोष व्रत, मूल समाप्त दिन १/१४ पर
४/२	गुरुवार	त्रयोदशी सायं ४/३१	पूर्वाषाढ़ा सायं ३/५१	मास शिवरात्रि व्रत, कलियुगादि, मेरु त्रयोदशी (जैन) चन्द्रमा मकर राशि पर रात्रि १०/३० से, भद्रा सायं ४/३१ से रा.शे. ५/३६ तक
५/२	शुक्रवार	चतुर्दशी रात्रि ६/३९	उत्तराषाढ़ा रात्रि ६/२६	रटन्तीकालिका पूजन (बंगाल), सर्वार्थसिद्धि योग
६/२	शनिवार	अमावस्या रात्रि ८/३६	श्रवण रात्रि ८/५१	स्नान-दान व श्राद्ध की मौनी अमावस्या, त्रिवेणी अमावस्या (उड़ीसा), थई अमावस्या (द.भा.) सूर्य धनिष्ठा नक्षत्र पर, सर्वार्थसिद्धि योग, व्यतिपात योग

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

सं. 2083 माघ शुक्ल पक्ष (सुदी)

सूर्य उत्तरायण | सूर्योदय 6/30 | सूर्यास्त 5/30 | शिशिर ऋतु

(ता. 7 फरवरी 2027 से 20 फरवरी 2027 तक)

तारीख	दिन	तिथि समय बजे तक	नक्षत्र समय बजे तक	व्रतोपवास विवरण
७/२	रविवार	प्रतिपदा रात्रि १०/१४	धनिष्ठा रात्रि १०/५८	गुप्त नवरात्र (नोड़ता) प्रारम्भ, बल्लभ जयन्ती, चन्द्रमा कुम्भ राशि पर दिन ९/५५ से, पंचक आरम्भ दिन ९/५५ से
८/२	सोमवार	द्वितीया रात्रि ११/२४	शतभिषा रात्रि १२/३९	पंचक लगा है
९/२	मंगलवार	तृतीया रात्रि १२/९	पूर्वा भाद्रपद रात्रि १/५४	चन्द्रमा मीन राशि पर रात्रि ७/३५ से, पंचक लगा है सर्वार्थसिद्धि योग
१०/२	बुधवार	चतुर्थी रात्रि १२/२०	उत्तरा भाद्रपद रात्रि ४/३७	श्री गणेश चतुर्थी व्रत, कुन्द चतुर्थी, पंचक लगा है भद्रा दिन १२/१५ से रात्रि १२/२० तक, रेवती के मूल आरम्भ रात्रि ४/३७ से
११/२ 卐	गुरुवार	पंचमी रात्रि १२/०	रेवती रात्रि २/५१	श्री वसन्त पंचमी, सरस्वती पूजा, वागीश्वरी जयन्ती, रतिकाम महोत्सव, तक्षक पूजा, चन्द्रमा मेष राशि पर रात्रि २/५१ से, पंचक समाप्त रात्रि २/५१ तक, मूल जारी
१२/२ 卐	शुक्रवार	षष्ठी रात्रि ११/१२	अश्विनी रात्रि २/३५	श्री स्कन्द षष्ठी व्रत, श्री शीतला षष्ठी (बंगाल), मूल समाप्त रात्रि २/३५ पर, सर्वार्थसिद्धि योग
१३/२	शनिवार	सप्तमी रात्रि ९/५८	भरणी रात्रि १/५७	अचला सप्तमी व्रत, रथ सप्तमी, विधान-आरोग्य व चन्द्रभागा सप्तमी, कुम्भ की संक्रान्ति पुण्यकाल प्रातःकाल, भद्रा रात्रि ९/५८ से
१४/२	रविवार	अष्टमी रात्रि ८/२१	कृत्तिका रात्रि १२/५७	भीमाष्टमी, चन्द्रमा वृष राशि पर प्रातः ७/४१ से भद्रा दिन ९/९ तक
१५/२	सोमवार	नवमी रात्रि ६/२६	रोहिणी रात्रि ११/४०	महानन्दा नवमी, श्री हरसू ब्रह्मदेव जयन्ती चैनपुर भभुआ (बिहार), श्री दुर्गाजी की ज्योत
१६/२ 卐	मंगलवार	दशमी सायं ४/१७	मृगशिर रात्रि १०/१०	चन्द्रमा मिथुन राशि पर दिन १०/५५ से, भद्रा रात्रि ३/९ से
१७/२	बुधवार	एकादशी दिन १/५९	आर्द्रा रात्रि ८/३२	जया एकादशी व्रत सबकी, भक्त पुण्डरीक उत्सव (पंढ़रपुर), भैमी एकादशी (बंगाल), भद्रा दिन १/५९ तक
१८/२	गुरुवार	द्वादशी दिन ११/३७	पुनर्वसु रात्रि ६/५२	प्रदोष व्रत, भीष्म द्वादशी, तिल द्वादशी, आमलकी संतान व वाराह द्वादशी, गुरु गोरखनाथ जयन्ती, चन्द्रमा कर्क राशि पर दिन १/१७ से
१९/२ 卐	शुक्रवार	त्रयोदशी दिन ९/१४	पुष्य सायं ५/१३	मरु महोत्सव आरम्भ (राज.) सूर्य शतभिषा नक्षत्र पर, श्लेषा के मूल आरम्भ सायं ५/१३ से
२०/२	शनिवार	चतुर्दशी/पूर्णिमा रा.शे. ४/५१	श्लेषा दिन ३/४२	चतुर्दशी प्रातः ६/५७ तक, माघी पूर्णिमा, संत रविदास जयन्ती, होलिका रोपण, चन्द्रमा सिंह राशि पर दिन ३/४२ से, भद्रा प्रातः ६/५७ से रात्रि ५/५५ तक, मूल जारी

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

सं. 2083 फाल्गुन कृष्ण पक्ष (बदी)

सूर्य उत्तरायण | सूर्योदय 6/20 | सूर्यास्त 5/40 | शिशिर ऋतु

(ता. 21 फरवरी 2027 से 8 मार्च 2027 तक)

तारीख	दिन	तिथि समय बजे तक	नक्षत्र समय बजे तक	व्रतोपवास विवरण
२१/२	रविवार	प्रतिपदा रात्रि २/५८	मघा दिन १२/२२	मूल समाप्त दिन १२/२२ पर, मशिमधम (द.भा.)
२२/२ 卐	सोमवार	द्वितीया रात्रि १/५६	पूर्वा फाल्गुनी दिन १/२०	चन्द्रमा कन्या राशि पर रात्रि ७/१६ से
२३/२	मंगलवार	तृतीया रात्रि १२/१७	उत्तरा फाल्गुनी दिन १२/३८	भद्रा दिन १२/५१ से रात्रि १२/१७ तक
२४/२	बुधवार	चतुर्थी रात्रि १२/३३	हस्त दिन १२/१९	संकष्टी श्री गणेश चतुर्थी व्रत, चन्द्रमा तुला राशि पर रात्रि १२/२५ से
२५/२ 卐	गुरुवार	पंचमी रात्रि ११/१९	चित्रा दिन १२/३०	
२६/२	शुक्रवार	षष्ठी रात्रि ११/३५	स्वाती दिन १/१०	यशोदा जयन्ती, भद्रा रात्रि ११/३५ से
२७/२	शनिवार	सप्तमी रात्रि १२/२६	विशाखा रात्रि २/२०	शबरी जयन्ती, चन्द्रमा वृश्चिक राशि पर प्रातः ८/२ से, भद्रा दिन १२/० तक
२८/२	रविवार	अष्टमी रात्रि १/४१	अनुराधा सायं ३/५७	सीता अष्टमी, श्री जानकी जयन्ती, ज्येष्ठा के मूल आरम्भ सायं ३/५७ से
१ मार्च	सोमवार	नवमी रात्रि ३/२४	ज्येष्ठा रात्रि ६/२	चन्द्रमा धनु राशि पर रात्रि ६/२ से, मूल जारी
२/३	मंगलवार	दशमी रात्रि ५/२३	मूल रात्रि ८/२५	स्वामी दयानंद सरस्वती जयन्ती आर्य समाज संस्थापक, भद्रा सायं ४/२३ से रा.शे. ५/२३ तक, मूल समाप्त रात्रि ८/२५ पर
३/३	बुधवार	एकादशी समस्त	पूर्वाषाढ़ा रात्रि ११/०	विजया एकादशी व्रत स्मार्तानाम, चन्द्रमा मकर राशि पर रा.शे. ५/४० से, व्यतिपात योग
४/३ 卐	गुरुवार	एकादशी प्रातः ७/३०	उत्तराषाढ़ा रात्रि १/३६	वैष्णवानाम एकादशी व्रत
५/३ 卐	शुक्रवार	द्वादशी दिन ९/३६	श्रवण रात्रि ४/५	प्रदोष व्रत, सूर्य पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र पर, सर्वार्थसिद्धि योग
६/३	शनिवार	त्रयोदशी दिन ११/३०	धनिष्ठा समाप्त	श्री महाशिवरात्रि व्रत, वैद्यनाथ जयन्ती, चन्द्रमा कुम्भ राशि पर सायं ५/१० से, पंचक आरम्भ सायं ५/१० से, भद्रा दिन ११/३० से रात्रि १२/१८ तक
७/३	रविवार	चतुर्दशी दिन १/४	धनिष्ठा प्रातः ६/१६	शिवरात्रिव्रत पारण, पंचक लगा है
८/३	सोमवार	अमावस्या दिन २/११	शतभिषा प्रातः ८/३	स्नान-दान व श्राद्ध की सोमवती अमावस्या, चन्द्रमा मीन राशि पर रात्रि ३/६ से, पंचक लगा है

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

सं. 2083 फाल्गुन शुक्ल पक्ष (सुदी)

सूर्य उत्तरायण | सूर्योदय 6/9 | सूर्यास्त 5/51 | शिशिर ऋतु

(ता. 9 मार्च 2027 से 22 मार्च 2027 तक)

तारीख	दिन	तिथि समय बजे तक	नक्षत्र समय बजे तक	व्रतोपवास विवरण
९/३	मंगलवार	प्रतिपदा दिन २/५१	पूर्वा भाद्रपद दिन ९/२५	कल्याणेश्वर राज जनकपुर परिक्रमा प्रारम्भ (मिथिला), सर्वार्थासिद्धि योग
१०/३	बुधवार	द्वितीया दिन २/५९	उत्तरा भाद्रपद दिन १०/१४	फूलेरा दूज, आसमाता को डोरो, श्री रामकृष्ण परमहंस जयन्ती, रेवती के मूल आरम्भ दिन १०/१४ से
११/३	गुरुवार	तृतीया दिन २/३६	रेवती दिन १०/३५	चन्द्रमा मेष राशि पर दिन १०/३६ से, भद्रा रात्रि २/११ से, मूल जारी, सर्वार्थसिद्धि योग
१२/३	शुक्रवार	चतुर्थी दिन १/४५	अश्विनी दिन १०/२७	श्री गणेश चतुर्थी व्रत, संत चतुर्थी (उड़ीसा), भद्रा दिन १/४५ तक, मूल समाप्त दिन १०/२७ पर, सर्वार्थसिद्धि योग
१३/३	शनिवार	पंचमी दिन १२/२६	भरणी दिन ९/५१	चन्द्रमा वृष राशि पर दिन ३/५८ से
१४/३	रविवार	षष्ठी दिन १०/४७	कृत्तिका दिन ८/५८	श्री स्कन्द षष्ठी व्रत, गोरुपिणी षष्ठी (बंगाल), होलाष्टक आरम्भ खरमास समाप्त १५/३/२७
१५/३	सोमवार	सप्तमी दिन ८/५०	रोहिणी प्रातः ७/४३	कामदा सप्तमी व्रत, मीन की संक्रान्ति पुण्यकाल प्रातः, वसन्त ऋतु आरम्भ, खरमास आरम्भ, चन्द्रमा मिथुन राशि पर रात्रि ७/० से, भद्रा दिन ८/४० से रात्रि ७/४५ तक, दादू जयन्ती नारायणा (राज.)
१६/३	मंगलवार	अष्टमी/नवमी रा.शे. ४/१८	मृगशिरा/आर्द्रा प्रातः ६/१६ रा.शे. ४/३९	अष्टमी प्रातः ६/३७ तक, अष्टह्निका व्रतारम्भ (जैन) श्री दुर्गाजी की ज्योत
१७/३	बुधवार	दशमी रात्रि १/५४	पुनर्वसु रात्रि २/५९	फगुदशमी (उड़ीसा) चन्द्रमा कर्क राशि पर रात्रि ९/२४ से
१८/३	गुरुवार	एकादशी रात्रि ११/३२	पुष्य रात्रि १/१९	आमलकी एकादशी व्रत सबकी, रंगभरी एकादशी सूर्य उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र पर, श्लेषा के मूल आरम्भ रात्रि १/१९ से, भद्रा दिन १२/४४ से रात्रि ११/३२ तक
१९/३	शुक्रवार	द्वादशी रात्रि ९/१४	श्लेषा रात्रि ११/४८	श्रीनृसिंह द्वादशी व्रत, श्यामजी जोत, खाटूधाम महोत्सव चन्द्रमा सिंह राशि पर रात्रि ११/४८ से, मूल जारी
२०/३	शनिवार	त्रयोदशी रात्रि ७/५	मघा रात्रि १०/२४	शनि प्रदोष व्रत पुत्रलाभाय, मूल समाप्त रात्रि १०/२४ तक
२१/३	रविवार	चतुर्दशी सायं ५/१४	पूर्वा फाल्गुनी रात्रि ९/१८	व्रत की पूर्णिमा, होलिका दाह रात्रि शेष ४/२८ पर चौमासी चौदस (जैन), हुताशनी जन्म, चन्द्रमा कन्या राशि पर रात्रि ३/६ से, भद्रा सायं ५/१४ से रा.शे. ४/२८ तक, सर्वार्थसिद्धि योग
२२/३	सोमवार	पूर्णिमा दिन ३/४०	उत्तरा फाल्गुनी रात्रि ८/३२	स्नान-दान की पूर्णिमा, सर्वत्र होली रंगोत्सव दोलोत्सव (बंगाल), दोलयात्रा, श्री चैतन्य महाप्रभु जयन्ती, अष्टाह्निका व्रत समाप्त (जैन)

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

सं. 2083 चैत्र कृष्ण पक्ष (बदी)

सूर्य उत्तरायण | सूर्योदय 5/59 | सूर्यास्त 6/1 | वसन्त ऋतु

(ता. 23 मार्च 2027 से 6 अप्रैल 2027 तक)

तारीख	दिन	तिथि समय बजे तक	नक्षत्र समय बजे तक	व्रतोपवास विवरण
२३/३	मंगलवार	प्रतिपदा दिन २/३०	हस्त रात्रि ८/७	वसन्तोत्सव, होला मेला (पंजाब), छारंड़ी
२४/३	बुधवार	द्वितीया दिन १/४६	चित्रा रात्रि ८/१०	संत तुकाराम जयन्ती, चन्द्रमा तुला राशि पर प्रातः ८/१० से, भद्रा रात्रि १/४० से
२५/३	गुरुवार	तृतीया दिन १/३२	स्वाती रात्रि ८/४४	श्री गणेश चतुर्थी व्रत, भद्रा दिन १/३२ तक कल्पादि-तीन
२६/३	शुक्रवार	चतुर्थी दिन १/४८	विशाखा रात्रि ९/४८	चन्द्रमा वृश्चिक राशि पर दिन ३/३३ से, सर्वार्थसिद्धि योग
२७/३	शनिवार	पंचमी दिन २/३८	अनुराधा रात्रि ११/२०	रंग पंचमी, विजय गोविन्द जी हलंकर (मणिपुर) ज्येष्ठा के मूल आरम्भ रात्रि ११/२० से
२८/३	रविवार	षष्ठी दिन ३/५३	ज्येष्ठा रात्रि १/२०	श्री स्कन्द षष्ठी, चन्द्रमा धनु राशि पर रात्रि १/२० से, भद्रा दिन ३/५४ से रा.शे. ४/४५ तक, मूल जारी
२९/३	सोमवार	सप्तमी सायं ५/३४	मूल रात्रि ३/३९	मूल समाप्त रात्रि ३/३९ पर, व्यतिपात योग
३०/३	मंगलवार	अष्टमी रात्रि ७/३१	पूर्वाषाढ़ा समस्त	कालाष्टमी, श्री शीतलाष्टमी व्रत (बासोड़ा), काशी में वृद्ध अंगार पर्व (बुढ़वा मंगल)
३१/३	बुधवार	नवमी रात्रि ९/३८	पूर्वाषाढ़ा प्रातः ६/१३	श्री ऋषभनाथजी जयन्ती (जैन) चन्द्रमा मकर राशि पर दिन १२/५२ से, सूर्य रेवती नक्षत्र पर
१ अप्रैल	गुरुवार	दशमी रात्रि ११/४३	उत्तराषाढ़ा दिन ८/५०	भद्रा दिन १०/४१ से रात्रि ११/४३ तक
२/४	शुक्रवार	एकादशी रात्रि १/३४	श्रवण दिन ११/२१	पापमोचनी एकादशी व्रत सबकी, चन्द्रमा कुम्भ राशि पर १२/२९ से, पंचक आरम्भ रात्रि १२/२९ से
३/४	शनिवार	द्वादशी रात्रि ३/६	धनिष्ठा दिन १/३६	पंचक लगा है
४/४	रविवार	त्रयोदशी रात्रि ४/१०	शतभिषा दिन ३/३०	महावारुणी पर्व योग, मधुकृष्ण त्रयोदशी, प्रदोष व्रत भद्रा रा.शे. ४/१० से, पंचक लगा है
५/४	सोमवार	चतुर्दशी रात्रि ४/४६	पूर्वा भाद्रपद सायं ५/१८	मास शिवरात्रि व्रत, चन्द्रमा मीन राशि पर दिन १२/५१ से, भद्रा सायं ४/२८ तक, पंचक लगा है
६/४	मंगलवार	अमावस्या रात्रि ४/५०	उत्तरा भाद्रपद रात्रि ५/५४	स्नान-दान व श्राद्ध की भौमवती अमावस्या, पंचक लगा है, रेवती के मूल आरम्भ रात्रि ५/५४ से सर्वार्थसिद्धि योग, शुभम् मंगलम्

पुस्तक प्राप्ति स्थान

अमित त्रिपाठी
८०१ एडवेंट एट्रिया, चिंचोली बन्दर रोड
मलाड पश्चिम, मुंबई-४०० ०६४
मो : ७४००२०३१०६

प्रदीप शुक्ल
१८/७ शशि भूषण सरकार लेन
नंदी बागान, सलकिया
हावड़ा - ७१११०६, प.बं.
मो : ९८३१४१४६८९

प्रशांत शुक्ला
केतव पंप
उमा सिद्ध कुटीर, गंजपाड़ा
बनस्तल स्टेशन रोड, रायपुर-४९२००९
छत्तीसगढ़
मो : ९४२५२०४९६० /
९३००४२२२२०

प्रज्वल बाजपेयी
एक्साइड केयर
एन एच ३३ डिमना चौक
दुर्गा कांटा के पास, मानगो
जमशेदपुर-८३१०१८, झारखण्ड
मो : ७८५८८५२७७७

महेश्वर शुक्ला
मार्कण्डस्वर साही
उड़िया मठ लेन, पुरी, ओडिशा
मो : ७३७२५४०१५१

सुजल अवस्थी
२२ विराट नगर, किदवई नगर
कानपुर - २०८०२३, उत्तर प्रदेश
मो : ९२१९१६७८१२

अरविन्द कुमार त्रिपाठी
फ्लैट ३०३ प्लॉट ७६९
शिवम एन्क्लेव अपार्टमेंट
साकेत नगर, कानपुर-२०८०१४
उत्तर प्रदेश
मो : ७०५२१७५०८५

अंजनी त्रिपाठी
१३५ ए बी नगर
डी.एस.एन. कॉलेज रोड
उन्नाव - २०९८०१, उत्तर प्रदेश
मो : ९६५१२१८९२६

आमोद अवस्थी
ग्राम / पोस्ट : घाटमपुर कलां
बीघापुर, उन्नाव - २०९८६५
उत्तर प्रदेश
मो : ६३८८०३५१९३

विजय शंकर शुक्ल
ग्राम बकुलिहा
सेमरी, रायबरेली
उत्तर प्रदेश
मो : ८७६५३१६९८२

सुधीर अवस्थी
एस १४, ट्रांसपोर्ट नगर,
आर.टी.ओ. के पास,
लखनऊ-२२६०१२, उत्तर प्रदेश
मो : ९९३६२९८८८८

नीरज मिश्रा
डी १/१३७ सेक्टर ११, रोहिणी
नई दिल्ली - ११००८५
मो : ९८१८४५६०२५

गोल्डेन मैजेस्टिक ग्रुप की संस्था "शशि स्मृति फाउंडेशन" की ओर से स्व. गोपाल कृष्ण अवस्थी की स्मृति में ग्राम घाटमपुर, बीघापुर, उन्नाव, उ.प्र. में सोलर लाइट की व्यवस्था की गई, प्रस्तुत हैं कुछ झलकियां :

धार्मिक भावनाओं और सामाजिक उत्थान के प्रति सजगतावश शशि स्मृति फॉउण्डेशन की ऑनलाइन पटल पर प्रकाशित पत्रिका "जनमैत्री" की कुछ झलकियां :

सुधी पाठकों को जनमैत्री परिवार की ओर से नूतन संवत्सर २०८३ की हार्दिक शुभकामनायें

पत्रिका से किसी भी स्वरूप में जुड़ने के लिए संपर्क करें :

Janmaitri Magazine | janmaitrimagazine

www.janmaitri.com (पढ़ें या डाउनलोड करें) | editorial@shashismriti.org (अपनी रचना मेल करें)

शशि स्मृति
फॉउण्डेशन

शशि स्मृति फॉउण्डेशन
801, एडवेंट एट्रिया, चिंचोली बन्दर रोड, मलाड पश्चिम, मंबई- 400 064
महाराष्ट्र, भारत

@shashismriti | @shashismriti